वर्ष-10, अंक 86 पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज शुक्रवार 07 जून, 2024
प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

रिश्ते खत्म लेकिन भारतीय विमानों का आनंद उठा रहा मालदीव

माले। मालदीव से अपने सैन्य अफसर वापस बुलाने के बाद से भारत की ओर से भेंट किए गए दो हेलीकाप्टरों को मालदीवी सेना एमएनडीएफ इन हेलीकाप्टरों को

खुद ही संचालित कर रही है। अधादुडाटकाम ने एक अनाम वायुसैनिक के हवाले से बताया कि जब भी भारत के दिए हेलीकाप्टरों को हवा में उड़ाया जाता है, उसमें मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स (एमएनडीएफ) का एक सैनिक अवश्य बैठा होता है। अधादुडाटकाम ने एक अनाम वायुसैनिक के हवाले से बताया कि जब भी भारत के दिए हेलीकाप्टरों को हवा में उड़ाया जाता है उसमें मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स (एमएनडीएफ) का एक सैनिक अवश्य बैठा होता है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के चीन के प्रबल समर्थक होने के चलते पिछले साल सितंबर में वहां तैनात सभी भारतीय सैनिकों को भारत लौटने को कहा गया था। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के चीन के प्रबल समर्थक होने के चलते पिछले साल सितंबर में वहां तैनात सभी भारतीय सैनिकों को भारत लौटने को कहा गया था। 88 सैन्य अफसरों की आखिरी खेप तय समय 10 मई तक भारत लौट आई थी। लेकिन भारत ने इसके बाद भेंट किए दो हेलीकाप्टर और डोनियर विमानों का संचालन करने के लिए नागरिक अधिकारियों को भेजा था। इसके बावजूद अब इनका संचालन अभी भी मालदीव की सेना कर रही है।

प्रोजेक्ट में 450 करोड़ रुपये का करेगा निवेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने आज बताया कि वह सौर ऊर्जा और बायोगैस से जुड़ी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश करेगा। कंपनी ने तीन साल की अवधि में 450 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। में कंपनी ने वर्टिकल में 120.8 करोड़ रुपये का निवेश किया था। मारुति सुजुकी इंडिया ने आज बताया

कि वह सौर ऊर्जा और बायोगैस से जुड़ी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश करेगा। कंपनी ने तीन साल की अवधि में 450 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इभ्24 में कंपनी ने वर्टिकल में 120.8 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में अपनी मानेसर सुविधा में एक पायलट बायोगैस प्लांट शुरू किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कंपनी वित्त वर्ष 2025 से शुरू होने वाले तीन वर्षों में इस निवेश को लगभग चार गुना बढ़ाकर 450 करोड़ रुपये तक पहुंचाएगी।

इटली की पीएम ने मोदी को दी चुनावी जीत की बधाई, प्रधानमंत्री बोले- हम भारत इटली रणनीतिक साझेदारी को करेंगे मजबूत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इटली की प्रधानमंत्री

जॉजिन्या मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनावों में लगातार तीसरी बार जीत मिलने पर बधाई दी थी 4 जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद [illegible] में खुशी की लहर है। [illegible] को 294 सीटें मिली हैं। इस मौके पर कई वैश्विक नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। वहीं इटली की प्रधानमंत्री जॉजिन्या मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनावों में लगातार तीसरी बार जीत मिलने पर बधाई दी थी। जिसके बाद पीएम मोदी ने मेलोनी के ट्वीट का जवाब दिया है इटली पीएम जॉजिन्या मेलोनी के ट्वीट का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जवाब दिया है पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा कि आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद प्रधानमंत्री जॉजिन्या मेलोनी हम भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो साझा मूल्यों और हितों पर आधारित है। वैश्विक भलाई के लिए मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। इतालवी प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि दोनों देश विभिनन्न मुद्दों पर सहयोग करेंगे, जो दोनों देशों को एक दूसरे से जोड़ते हैं और लोगों की भलाई के लिए हैं। इससे पहले दिन में, अन्य वैश्विक नेताओं ने भी प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को लोकसभा चुनावों में उनकी लगातार तीसरी जीत पर हार्दिक बधाई दी। नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगननथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। के नेतृत्व वाली एनडीए केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। मंगलवार को लोकसभा चुनाव के नतीजे आए, जिससे विपक्षी दल [illegible] गठबंधन में भी खुशी की लहर है।

नरेंद्र मोदी ने पीएम पद से दिया इस्तीफा, 8 जून को मिल सकता है देश को नया प्रधानमंत्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

(इश् श्द्) ने आज प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होने आज (बुधवार) राष्ट्रपति भवन जाकर द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की और अपना इस्तीफा पत्र उन्हें सौंपा। इससे पहले मोदी मंत्रिमंडल ने 17वीं लोकसभा भंग करने की सिफारिश कर दी थी नरेंद्र मोदी ने पीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले मोदी मंत्रिमंडल ने 17वीं लोकसभा भंग करने की सिफारिश कर दी थी। संभावना जताई जा रही है कि 8 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। 7 जून को एनडीए की बैठक में उन्हें गठबंधन के नेता चुने जाने की उम्मीद है।सूत्रों के मुताबिक, संभावना जताई जा रही है कि 8 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे 7 जून को एनडीए की बैठक में उन्हें गठबंधन के नेता चुने जाने की उम्मीद है। बता दें कि चुनाव नतीजों में भाजपा ने 240 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं, कांग्रेस ने 99 सीटें जीती है।मंगलवार को पीएम मोदी ने दिल्ली के भाजपा मुख्यालय में देशवासियों और भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि ठभाजपा तीसरी बार सरकार बना रही है। हम जनता के आभारी हैं, उन्होंने भाजपा और एनडीए पर पूरा भरोसा जताया। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है, यह भारत के संविधान में दृढ़ विश्वास की जीत है, यह विकसित भारत के संकल्प की जीत है। यह 'सबका साथ सबका विकास' की जीत है।

बी-टीम' से 'बीती हुई' टीम बन गई', चुनावों में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस का बीजद और वाईएसआरसीपी पर कटाक्ष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे घोषित हो गए है। भाजपा

ने ओडिशा में पिछले 24 सालों से सत्ता पर काबिज बीजद को सत्ता से बेदखल कर सत्ता हासिल की। वहीं, लोकसभा चुनावों में बीजद को एक भी सीट नहीं मिली। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में करारी हार का सामना करने के बाद कांग्रेस ने बीजद और वाईएसआरसीपी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की बी-टीम से वे बीती हुई टीम बन गई हैं। मंगलवार को भाजपा ने ओडिशा में पिछले 24 सालों से सत्ता पर काबिज बीजद को सत्ता से बेदखल कर सत्ता हासिल कर ली। बता दें कि लोकसभा चुनावों में बीजद को एक भी सीट नहीं मिली। इस बीच, कांग्रेस ने बुधवार को विधानसभा और लोकसभा चुनावों में करारी हार का सामना करने के बाद बीजद और वाईएसआरसीपी पर निशाना साधा। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा की 'बी-टीम' से वे 'बीती हुई' टीम बन गई हैं। इस बीच, कांग्रेस ने बुधवार को विधानसभा और लोकसभा चुनावों में करारी हार का सामना करने के बाद बीजद और वाईएसआरसीपी पर निशाना साधा। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा की 'बी-टीम' से वे 'बीती हुई' टीम बन गई हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'पिछले दस सालों में बीजेडी संसद में बीजेपी की बी-टीम थी। इसने हर मुद्दे पर मोदी का समर्थन किया। रमेश ने कहा, पिछले दस सालों में वाईएसआरसीपी बीजेपी की एक और बी-टीम थी, जिसने हर मुद्दे पर मोदी का समर्थन किया। बी-टीम से वे बी-टीम बन गए हैं। रमेश नें पर एक पोस्ट में कहा कि यह उन क्षेत्रीय दलों के साथ होता है जो 'हम दोनों' पर भरोसा करते है, जिन्हें कल अपमानजनक नैतिक और राजनीतिक हार का सामना करना पड़ा है।

अमेठी से स्मृति ईरानी की हार और किशोरी लाल की जीत पर आया राहुल गांधी का पहला रिएक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन द्वारा प्रशंसनीय प्रदर्शन करने के बाद मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। लेकिन जब कांग्रेस ने उन्हें अमेठी से स्मृति ईरानी के विरोध में चुनावी मैदान में उतारा था, तब बीजेपी नेताओं ने कहा था कि राहुल गांधी डर गए हैं। इस पर राहुल ने कहा, बीजेपी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वो लोगों की रिस्पेक्ट

नहीं करती है। बीजेपी को नहीं पता है कि किशोरी लाल शर्मा पिछले 40 सालों से कांग्रेस के लिए काम कर रहे हैं. उनका अमेठी की जनता से पुराना नाता रहा है। वो अमेठी की जड़ों से वाकिफ हैं। इस तरह से अमेठी की जनता ने बीजेपी द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणी का करारा जवाब दिया है। बता दें कि इस लोकसभा चुनाव में अमेठी से बीजेपी ने जहां स्मृति ईरानी को चुनावी मैदान में उतारा था तो वहीं, कांग्रेस ने राहुल को ना उतारकर किशोरी लाल शर्मा पर दांव लगाया था।किशोरी लाल शर्मा ने अमेठी से स्मृति ईरानी करार हार दी। वहीं मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज बीजेपी का घमंड समाप्त हो गया। बीते दिन (4 जून) को लोकसभा चुनाव के परिणामों की घोषणा हो गई। इन परिणामों में [illegible] को 294 सीटें और [illegible] गठबंधन को 232 सीटें मिली। इस चुनाव में [illegible] गठबंधन का प्रदर्शन भी शानदार रहा। वहीं राहुल गांधी ने परिणाम आने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कहा कि आज बीजेपी का घमंड समाप्त हो गया है। इस बीच राहुल गांधी से पत्रकारों ने भी कई सवाल किए। एक सवाल में पूछा कि अमेठी में किशोरी लाल शर्मा जीत गए,

भारत में बिजली मांग का बना ऑलटाइम रिकॉर्ड, देश में प्रचंड गर्मी के बीच जानें कितनी रही डिमांड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत के अधिकतर हिस्सों में प्रचंड गर्मी पड़ रही है। गीगावाट के उच्चतम स्तर पर पहुंची थी। यह गर्मी के मौसम की वजह से बढ़े भार और बढ़ती औद्योगिक

गर्मी से बचने के लिए लोग पंखा, कूलर, एसी और फ्रीज का सहारा ले रहे हैं, जिसकी वजह से बिजली की रिकॉर्ड मांग हो रही है। यही कारण है कि देश के विद्युत क्षेत्र में पहली बार 30 मई 2024 को 250 गीगावाट की रिकॉर्ड अधिकतम बिजली की मांग रही और भारत ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया है। भारत के अधिकतर हिस्सों में प्रचंड गर्मी पड़ रही है। गर्मी से बचने के लिए लोग पंखा कूलर एसी और फ्रीज का सहारा ले रहे हैं जिसकी वजह से बिजली की रिकॉर्ड मांग हो रही है। यही कारण है कि देश के विद्युत क्षेत्र में पहली बार 30 मई 2024 को 250 गीगावाट की रिकॉर्ड अधिकतम बिजली की मांग रही और भारत ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया है। बता दें कि इससे एक दिन पहले यानी 29 मई को बिजली की मांग 234.3 व आवासीय बिजली खपत के संयुक्त प्रभाव को दर्शाती है। खास बात यह है कि इतनी भारी मांग के बावजूद इससे देश के ट्रांसमिशन नेटवर्क में कोई समस्या नहीं आई और बिजली कटौती की भी कोई रिपोर्ट नहीं दर्ज की गई। इस मांग को पूरा करने में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, खासकर सौर घंटों के दौरान सौर ऊर्जा और गैर-सौर घंटों के दौरान पवन ऊर्जा से मिला समर्थन भी बहुत महत्वपूर्ण रहा। बिजली की देखरेख और इसको निर्देशित करने वाली संस्थाएं अब आने वाले महीनों में 258 गीगावाट की अधिकतम मांग के लिए तैयारी कर रही हैं। ज्ञात हो कि साल 2012 में 30-31 जुलाई को इसी तरह से बिजली की भारी मांग थी, जिसकी वजह से भारत को दुनिया की सबसे बड़ी बिजली कटौती का सामना करना पड़ा था।

तमिलनाडु का वो रईस उम्मीदवार जो वोटों के मामले में रहा 'गरीब', डीएमके से मिली बड़ी हार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चेन्नई। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे घोषित कर दिए गए है। इस

चुनाव में कुछ ऐसे भी प्रत्याशी रहे जिनकी संपत्ति के बारे में जब आप सुनेंगे तो आपकी आंखे फटी की फटी रह जाएगी। तमिलनाडु में 19 अप्रैल को हुए लोकसभा चुनाव में खड़े 950 उम्मीदवारों में एआईएडीएमके के इरोड से उम्मीदवार अत्राल अशोक कुमार सबसे अमीर बताए गए थे और उन्होंने 500 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की थी। चुनाव आयोग द्वारा जारी परिणामों के अनुसार डीएमके के के.ई. प्रकाश ने कुमार को 236566 मतों से हराया और पश्चिमी निर्वाचन क्षेत्र से विजयी हुए। तमिलनाडु में एआईएडीएमके के इरोड से उम्मीदवार अत्राल अशोक कुमार इस लिस्ट में बिल्कुल फीट बैठते है। इनके पास 500 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति हैं। भले ही यह तमिलनाडु के सबसे अमीर प्रतियोगी रहे हो, लेकिन उन्हें इस चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा। चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित परिणामों के अनुसार, डीएमके के के.ई. प्रकाश ने कुमार को 2,36,566 मतों से हराया और पश्चिमी निर्वाचन क्षेत्र से विजयी हुए। कुमार को कुल 10,93,423 मतों में से 3,25,773 मत प्राप्त हुए। अच्छी टक्कर देने के बावजूद, पहली बार चुनाव लड़ रहे कुमार को डीएमके ने धूल चटा दी गई और सत्तारूढ़ पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने राज्य की सभी 39 लोकसभा सीटों पर कब्जा कर लिया। जब एआईएडीएमके उम्मीदवार ने अपना पहला नामांकन दाखिल किया था तो उन्होंने उस समय 583.48 करोड़ रुपये की शुद्ध संपत्ति घोषित की थी। इरोड के 53 वर्षीय कुमार ने तब 526.53 करोड़ रुपये की चल संपत्ति दिखाई थी, जबकि अचल संपत्ति - अर्जित और विरासत में मिली - 56.95 करोड़ रुपये की थी। कुमार इंडियन पब्लिक स्कूल (ऊध्इए) और एमेक्स अलॉयज प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक सदस्य और निदेशक हैं। वे ऊध्इए स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, ऊध्इए स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, ऊध्इए कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस और ऊध्इए ग्लोबल इंस्टीट्यूट के संस्थापक भी हैं।

गाजा में बाइडन के युद्धविराम प्रस्ताव का समर्थन करे सुरक्षा परिषद, अमेरिकी राजदूत ने मसौदा प्रस्ताव भेजा

संयुक्त राष्ट्र। गाजा में इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम की कोशिशें तेज हो गई हैं। अमेरिका ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा कोशिशें तेज हो गई हैं। अमेरिका ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से अनुरोध किया कि वह गाजा में तीन चरण के स्थायी

परिषद से अनुरोध किया कि वह गाजा में तीन चरण के स्थायी युद्धविराम के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रस्ताव का समर्थन करे। यूएन में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए परिषद के 14 अन्य सदस्यों को एक मसौदा प्रस्ताव भेजा। गाजा में इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम की युद्धविराम के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रस्ताव का समर्थन करे। यूएन में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए परिषद के 14 अन्य सदस्यों को एक मसौदा प्रस्ताव भेजा। कहा, बाइडन का उद्देश्य गाजा में आठ महीने से चल रहे युद्ध का अंत करना और सभी बंधकों की रिहाई है। इससे गाजा में पीडि.तों को राहत सामग्री भेजी जा सकेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 31 मई को समझौता प्रस्ताव जारी कर हमास से इसे बिना देरी और बिना शर्त स्वीकार करने की अपील की थी। हमास ने कहा था कि वह इसे सकारात्मक रूप से लेगा। इस प्रस्ताव में इजरायल द्वारा प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने की बात शामिल नहीं है। बाइडन द्वारा घोषित समझौता प्रस्ताव में हमास द्वारा सभी बंधकों को छोड़ने के बदले स्थायी युद्धविराम का प्रस्ताव है। इस प्रस्ताव के बाद इजरायल सरकार में शामिल उग्रराष्ट्रवादी दलों ने धमकी दी थी कि अगर नेतन्याहू ने बाइडन के प्रस्ताव को स्वीकार किया तो वह सरकार से समर्थन वापस ले लेंगे। वहीं, नेतन्याहू ने संसद की विदेश एवं रक्षा मामलों की समिति के समक्ष समझौता प्रस्ताव को लेकर बात की लेकिन विस्तार से नहीं बताया। इस बीच, इजरायल ने हमास के कब्जे में चार और बंधकों की मौत की घोषणा की है। माना जा रहा है कि हमास के कब्जे में अब 80 जीवित बंधक और 43 मृतकों के अवशेष हैं।हमास का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को अमेरिका समर्थित समझौते पर बातचीत के लिए मिस्त्र की राजधानी काहिरा पहुंच गया है। इजरायल पहले चरण में बंधकों की रिहाई के बदले फलस्तीनी कैदियों को छोड़ने को राजी है। पिछले साल सात अक्टूबर से शुरू गाजा युद्ध में अबतक 36,550 फलस्तीनियों की मौत हुई है। जबकि पिछले वर्ष सात अक्टूबर को हमास द्वारा इजरायल पर हमले में 1200 से अधिक इजरायली नागरिकों की मौत हुई थी। इसके अलावा, हमास ने करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया था।-जी-7 के देशों ने भी बाइडन के प्रस्ताव का किया समर्थनजी-7 के देशों के नेताओं ने आठ माह से चल रहे इजरायल-हमास युद्ध को खत्म करने के लिए बाइडन के व्यापक समझौता प्रस्ताव को स्वीकार करने की अपील की। जी-7 नेताओं द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि वह बाइडन के गाजा समझौता प्रस्ताव के समर्थन में खड़े हैं।

डाक पंजीयन नं. AD -326/2024-2026 - website:www.aadhuniksamachar.com – E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com आधुनिक समाचार

शुआट्स फोटोग्राफी कल्ब द्वारा विदाई समारोह का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। शुआट्स फोटोग्राफी कल्ब (एसपीसी) ने एसपीसी कार्यालय, शुआट्स में भावभीनी विदाई का आयोजन किया। एसपीसी के संयुक्त रजिस्ट्रार (प्रशासन) और स्टाफ सलाहकार डॉ. सी. जॉन वेस्ली का एसपीसी के अध्यक्ष श्री प्रवीण कुमार ने गुलदस्ता देकर गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में एसपीसी अधिकारियों और सदस्यों को सम्मानित किया गया और उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना की गई डॉ. वेस्ली ने आने वाले सदस्यों को

डा0 सी0जे0 वेस्ली, एसपीसी सदस्यो को सम्मानित करते हुए

शुभकामनाएं देते हुए 2024-25 सत्र के लिए नवगठित समिति को भी मंजूरी दी एसपीसी के सोशल मीडिया विश्लेषक और समन्वयक गौरव सुमन ने छात्रों को अपने फोटोग्राफी कौशल को लगातार बढ़ाने और सामाजिक सुधार के लिए उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह आयोजन कृतज्ञता और प्रेरणा का मिश्रण था, जिसने एसपीसी के बाहर जाने वाले और आने वाले दोनों सदस्यों के लिए सकारात्मक माहौल स्थापित किया।

रीता जोशी, केशरी और अभिलाषा को नई भूमिका का इंतजार, लोकसभा चुनाव में नहीं मिला टिकट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। भाजपा की इन तीनों ही महिला नेताओं की आगे पार्टी में क्या भूमिका होगी, उसे लेकर तमाम तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं। इन तीनों नेताओं को भी अपनी नई भूमिका का इंतजार है। हालांकि खुद को पार्टी का समर्पित सिपाही बताते हुए इन तीनों का यही कहना है कि भाजपा उन्हें जो भी दायित्व सौंपेगी, उसका वह बखूबी निर्वाहन करेंगी। लोकसभा चुनाव परिणाम आने के साथ ही रीता बहुगुणा जोशी, केशरी देवी पटेल वर्तमान से अब निवर्तमान सांसद हो गई है। इसी तरह अभिलाषा गुप्ता भी पिछले वर्ष मई माह में मेयर से पूर्व मेयर हो गई। भाजपा की इन तीनों ही महिला नेताओं की आगे पार्टी में क्या भूमिका होगी, उसे लेकर तमाम तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं। इन तीनों नेताओं को भी अपनी नई भूमिका का इंतजार है। हालांकि खुद को पार्टी का समर्पित सिपाही बताते हुए इन तीनों का यही कहना है कि भाजपा उन्हें जो भी दायित्व सौंपेगी, उसका वह बखूबी निर्वाहन करेगा लोकसभा अधिसूचना जारी होने के बाद ही

भाजपा ने सांसद रीता बहुगुणा जोशी, सांसद केशरी देवी पटेल का टिकट काटकर क्रमशः नीरज त्रिपाठी और प्रवीण पटेल पर भरोसा जताया।

नहाने के दौरान डूबा कमाऊ बेटा, विद्युतकर्मी की गई जान; सीने में हो रहा था दर्द

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। गंगा में डूबा युवक अपने घर का कमाऊ बेटा था। पिता नहीं देख सकते मां बूढ़ी हो गई है। बहन अभी पढ़ाई कर रही थी। घर का पूरा जिम्मा युवक के कंधे पर था। उसकी मौत की खबर पर परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, विद्युत संविदाकर्मी को मौत से कुछ जिसमें एक गहरे पानी के तरफ चला गया। युवकों ने अपना नाम ऋषिकेश, धनंजय, हरिश्याम, दीपक हैं। धनंजय ने बताया कि सागर महाराष्ट्र में पीडब्लूयूडी कर्मचारी था। उसके परिवार में माता-पिता और बहन हैं। परिवार की पूरी जिम्मेदारी उस पर ही थी। उसके पिता दिनकर तुकाराम आंखें

घंटे पहले सीने में दर्द हो रहा था। दवा खाकर लेटा तो नहीं उठा। वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र के तुलसी घाट पर गुरुवार की दोपहर करीब 2 बजे महाराष्ट्र के येऊउखड के रहने वाले सागर दिनकर की गहरे पानी मे जाने से मौत हो गई। उसके दोस्तों ने गहरे पानी मे डूबता देख शोर मचाया, लेकिन दोपहर का समय होने के और आसपास कोई न होने के कारण युवक गहरे पानी मे समा गया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जल पुलिस और मल्लुहों की मदद से युवक के शव को बाहर निकाला। परिजनों की घटना की सूचना दी। युवक के साथ आए उसके दोस्तों ने बताया कि हम 5 लोग काशी बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन करने के लिए आए थे। यहां गंगा सनन के लिए पहुंचे थे। तभी दो दोस्त अचानक डूबने लगे, खराब हैं और बहन अभी पढ़ाई कर रही हैं। चारों दोस्तों में काफी उदास हैं। वही परिवार वालों को भी सूचना दे दिया गया हैं। उनका रो-रो कर बुरा हाल हैं।जंसा थाना क्षेत्र के डीह गंजारी विद्युत उपकेंद्र पर तैनात विद्युत संविदा कर्मी लाइनमैन की बीती रात मौत हो गई। बताया जाता है कि लाइनमैन मनोज कुमार चौबे (52) निवासी खालिसपुर मिर्जामुराद बुधवार देर शाम विद्युत उपकेंद्र से ड्यूटी कर घर वापस जा रहे थे कि रास्ते में ही सीने में अचानक दर्द उठा जहां से उन्होंने दवा लेकर घर पहुंच देर रात सोने के बाद प्रतिदिन की भांति जब वे भोर में नहीं उठे तो परिजन जगाने पहुंचे तो शरीर में कुछ हलचल नहीं हुई। आननफानन परिजन क्षेत्र के एक निजी चिकित्सालय ले गए, जहां डॉक्टर ने उक्त लाइनमैन को मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

महाकुंभ सामने, विकास कार्यों का दीर्घकालीन मिले लाभ, इस पर रहेगी नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। इलाहाबाद के नवनिर्वाचित सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने कहा कि लोगों का सन्हे शुरू से मिल रहा था। इसलिए जीत के प्रति पूरी तरह से आश्वस्त था। समर्थन दिया। गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने अपना चुनाव मानकर साथ दिया। पिताजी (रेवती रमण सिंह) ने 50 वर्षों तक क्षेत्र के लोगों की सेवा की। पिताजी दो बार सांसद रहे। अब लोगों का वही सन्हे मुझे नैनी में उद्योग को फिर से स्थापित करने, कचरी पावर प्लांट को चालू कराने के लिए हर स्तर पर प्रयास करूंगा। उद्योग के साथ ही रोजगार बढ़ेगा। पीडीए की ओर से महायोजना-2031 अब

हर वर्ग के लोगों ने समर्थन दिया। गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने अपना चुनाव मानकर साथ दिया। पिताजी (रेवती रमण सिंह) ने 50 वर्षों तक क्षेत्र के लोगों की सेवा की। पिताजी दो बार सांसद रहे।

इलाहाबाद संसदीय सीट से सांसद चुने गए उज्ज्वल रमण सिंह से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। यह पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री, विश्वनाथ प्रताप सिंह जैसे बड़े नेताओं का क्षेत्र है। इसके अलावा उनके पिता रेवती रमण सिंह ने भी सांसद एवं विधायक रहते हुए क्षेत्र के विकास के लिए कई काम कराए हैं। उज्ज्वल गंगा और यमुना नदी के बीच के इस क्षेत्र में विकास की धारा को कैसे आगे लेकर जाएंगे इस पर उनसे विस्तार से बात हुई। प्रस्तुत हैं उसके मुख्य अंश लोगों का सन्हे शुरू से मिल रहा था। इसलिए जीत के प्रति पूरी तरह से आश्वस्त था। हर वर्ग के लोगों ने मिला है। इसके अलावा लोगों में भाजपा की नीतियों को लेकर भी नाराजगी रही, जो जीत में सहायक साबित हुई मेरी सरकार नहीं है। इसलिए 100 दिन में कौन-कौन से काम पूरे हो जाएंगे यह कह पाना मुश्किल है लेकिन महाकुंभ सामने है। अभी पूरे शहर को खोद कर छोड़ दिया गया है। एक महीने में बारिश शुरू हो जाएगी। इसके बाद अक्तूबर में आनन-फानन में काम पूरे कराए जाएंगे। इस पर नजर रहेगी। पूरी कोशिश होगी कि गुणवत्तायुक्त काम हों जिसका दीर्घकाल तक लोगों को लाभ हो। प्रयागराज में माघ, कुंभ जैसे आयोजन होते हैं, जिसमें करोड़ों लोग आते हैं। इसलिए ढांचागत विकास के अलावा एम्स होना चाहिए। रोजगार के लिए युवा बाहर जा रहे हैं। इससे शहर का विकास प्रभावित है। इसलिए उद्योग को बढ़ावा मिलना चाहिए। भेजा गया है। जबकि, चार साल निकल गए हैं। यह उचित नहीं है। शहर का विस्तार जरूरी है। व्यक्तिगत स्तर पर छोटी-छोटी कॉलोनियां बनाकर प्लाटिंग की जा रही है। ऐसी कॉलोनियों में लोगों को सभी सुविधाएं नहीं मिल पातीं। इसमें जमीन एवं घर लेने वालों के साथ धोखा भी हो रहा है। इसलिए जरूरी है कि नैनी हाईटेक सिटी की तरह शहर के चारों तरफ आवासीय योजनाएं बनाई जाएं। सरकारी विभागों से प्रयागराज की पहचान रही है लेकिन यह पहचान अब धूमिल हो रही है। इसे बचाने के लिए सतत संघर्ष होगा। बांध बनाकर गंगा के पानी को रोका जा रहा है। इससे संगम में जल संकट हो जाएगा। फिर कुंभ कहां होगा। गंगा को मुक्त करने के लिए मैं और पिताजी लगातार संघर्षरत रहे हैं। यह संघर्ष आगे भी जा रहेगा।

जीएल बजाज में फेयरवेल का आयोजन अविस्मरणीय यादों और यादगार पलों को किया याद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा स्थित जीएल बजाज कॉलेज के सीएसई और एसीएसई विभाग में फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों ने प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ अपने शिक्षण सीनियर छात्रों ने देर रात तक पढ़ाई करने से लेकर हंसी-मजाक वाली कक्षाओं तक, बिताया गया हर पल को याद किया। और कहा कि ये सभी पल वाकई खास होतें है। आइए बनाए गए बंधनों, सीखे गए सबक और दोस्ती को संजोएं

काल के अनुभवों को साझा किया। और कहा कि हम लोग जीवन के अगले पड़ाव की तरफ बढ़ रहे है यह एक सुखद पल है लेकिन इस बात का दुख भी है की हम अपने जीएल बजाज परिवार और अपने अच्छे दोस्त और साथियों से विदा भी हों रहे हैं। यह एक अध्याय का अंत नहीं हैं बल्कि दूसरे की शुरुआत हैं जिसमें हम सभी अपने अच्छी यादों को लेकर जाएँगे। जो जीवन भर साथ चलेगी। कॉलेज निदेशक डॉद मानस कुमार मिश्रा ने कहा कि जीएल बजाज छात्रों को उनके जीवन के नए मोड़ और रोमांच की शुभकामनाएं देता है, लेकिन हमेशा याद रखें कि जीएल बजाज में आपका हमेशा एक घर रहेगा। अंत में सभी छात्रों ने गीत संगीत, रेम्प वॉक परिधान प्रदर्शन और अंताक्षरी के आयोजन में भरपूर मस्ती की।

संसाधनों का समुचित उपयोग कर पर्यावरण को संरक्षित करेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अनपरा (सोनभद्र)। हिंडाल्को रेनूसागर पावर डिवीजन रेनूसागर में ठहमारी धरती, हमारा भविष्यठ के नारे के तहत ''लैंड रेस्टोरेशन डेजर्टीफिकेशन एंड ड्राउट रेजिलिअन्स ठ के थीम पर आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस सादगी पूर्वक मनाया गया, इस अवसर पर रेनूसागर के पुराने ऐशबांध पर सायंकालीन बेला में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए शोभित वर्मा द्वारा सभी अधिकारियों, कर्मचारियों व महिलाओं को शपथ दिलायी गई, तथा लक्ष्मी नारायण द्वारा पृथ्वी गान प्रस्तुत किया गया जिसे सभी लोगो ने दुहराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रेनूसागर पावर डिवीजन के यूनिट हेड आर पी सिंह ने उपस्थित सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम केवल पौधरोपण नहीं करेंगे बल्कि उसको संरक्षित व विकसित भी करेंगे और ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण कर आने वाली पीढ़ी को एक अच्छा वातावरण देंगे, वृछ पर्यावरण के अभिनन्‍ अंग है और वे केवल पृथ्वी हरा भरा नहीं रखते बल्कि वायुमंडल में आक्सीजन का स्तर भी बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि संस्थान में हम अपने संसाधनों का समुचित तरीके से उपयोग करते हुए पर्यावरण को संरक्षित करेंगे, हमारा संस्थान रेनूसागर पावर डिवीजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग है और प्रदूषण की रोकथाम के लिए संस्थान द्वारा निरंतर नए-नए प्रयास किए जा रहे है। तथा कहा कि वैश्विक स्तर पर पर्यावरण मनाने का उद्देश्य पर्यावरण व

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना है और ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन तथा प्रदूषण के खतरों के प्रति लोगों को जागरूक करना है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण के महत्व को समझ सके। उन्होंने पुनः अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करने का आह्वान किया तथा कहा कि हम अधिक से अधिक मात्रा में पौधरोपण कर पर्यावरण प्रदूषण को शून्य करने का प्रयास करेंगे। पौधरोपण कार्यक्रम में दिशिता महिला मंडल की प्रमुख इंदू सिंह सहित वरिष्ठ सदस्याओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और फलदार पौधे का पौधरोपण किया इस अवसर पर दिशिता महिला मंडल प्रमुख इंदू सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में संसाधनों का बढ़ता दोहन पर्यावरण के लिए हानिकारक है,इसलिए हम सभी कि नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि सभी लोग कम से कम दो पौधे जरूर लगाए। अंत में मेरा पौधा मेरी जिम्मेदारी ड्राइव लांच किया गया, जिसके तहत सभी को फलदार पौधे व पंछी संरक्षण के लिए लोगो को घोसले दिए गए, जिसे लोग अपनी बालकनी व गार्डन में लगाए। कार्यक्रम का सञ्चालन करते हुए कमलेश कुमार मौर्या ने उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया अंत में अजय मिश्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।इस अवसर पर एच आर हेड शैलेश विक्रम सिंह मनीष सिंह, समीर आनंद,मृदुल भरद्वाज, संजय श्रीमाली,डॉक्टर भीमेन्द्र त्रिपाठी, राजेश सैनी ,ललित खुराना, कर्नल जयदीप मिश्रा , संदीप यावले ,निशा महापात्रा, कैप्टन रोहित देव फरासी,बृजेश सिंह,रमेश कुमार वर्मा,सदानंद पांडेय,सुजीत कुमार,परमेश्वर सागरे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में उद्यान विभाग के सतनाम सिंह,बलवंत सिंह व टीम का सराहनीय योगदान रहा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर तीस हज़ार लोगों को वाईएसएस द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश और स्टील के गिलास में शरबत वितरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वाई एस एस फाउंडेशन ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए एक अनूठी पहल की। इस पहल के तहत संस्था के सदस्यों गिरीश चंद गुप्ता ने बताया की यह पहल लोगों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान करने के लिए प्रेरित करने में सफल रही। पर्यावरण संरक्षण का संदेश के गई यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को पर्यावरण के अनुकूल जीवन जीने के लिए प्रेरित करने का एक सराहनीय प्रयास है। नोफा अध्यक्ष राजीवा लोचन ने कहा की विश्व

ने सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए पर्यावरण संरक्षण से संबंधित संदेशों एवं चर्चा कर जागरूकता अभियान चलाया। इसके साथ ही, उन्होंने पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के बारे में भी लोगों को शिक्षित किया। संस्था ने लोगों को पुनः प्रयोज्य स्टील के गिलास में हज़ारों लोगों को ठंडा शरबत भी वितरित किया। संस्था का उदेश्य इतने बड़े कार्यक्रम को जीरो वेस्ट करना रहा बिना प्लास्टिक एवं डिस्पोजल के तीस हज़ार से ज्यादा लोगो को सुबह 10 बजे से 5 बजे शाम तक शरबत वितरण किया गया। सिद्धि विनायक रियलटर के निर्देशक माध्यम से संस्था ने लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने और पर्यावरण को बचाने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रेरित किया। प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पुनः प्रयोज्य वस्तुओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। विंग कमोडोर नृप कुमार मेहता के साथ संस्था ने लोगों को पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए सरल उपाय अपनाने के बारे में शिक्षित किया। इस पहल ने लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए एक साथ आने और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। दुर्गा प्रसाद दुबे ने बताया की विश्व पर्यावरण दिवस हमें पृथ्वी की रक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारी को याद दिलाता है। युवा शक्ति द्वारा की पर्यावरण दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के प्रति हमारी सतत प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमें हर दिन पर्यावरण की रक्षा के लिए छोटे-छोटे कदम उठाने चाहिए, जैसे कम पानी बर्बाद करना, ऊर्जा बचाना, पुनर्चक्रण करना, और पौधे लगाना। आज के कार्यक्रम मे पीयूष गुप्ता, सचिन गुप्ता, कुबेर बिष्ट, अनिल चौधरी, विंग कमोडोर नृप कुमार मेहता, पंकज मिश्रा, संदीप यादव, साक्षी, तेजस गुप्ता, सुषमा निषाद, नवरतन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तवा, नोफा अध्यक्ष राजीवा लोचन, सुमित मानचंदा, सुभाष जैन, लाजपत राय, उपदेश तिवारी, हिमाँशु एवं संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में युवक की गई जान, 8 माह में दूसरे बेटे की मौत से परिवार पर टूटा कहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। बेटे की मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच

गया। पुलिस की सूचना पाकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। बेटे का शव देखकर मां-पिता बिलख पड़े। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है।गोपीगंज के कोतवाली क्षेत्र के लालानगर टोल प्लाजा के पास गुरुवार को दर्दनाक हादसे में 22 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। बाइक से घर लौट रहे युवक की बाइक टेलर के पहिए से टकरा गई। जिससे बाइक छिटककर दूर गिर गई और वह टेलर के पहिए के नीचे आने से कुचलकर दम तोड़ दिया। युवक वीडियोग्राफी कर परिवार का खर्च चलाता था। जगननथपुर गांव निवासी मुकेश कुमार उर्फ जज्जु (22) पुत्र संतलाल अपनी बाइक से औराई से घर लौट रहा था। लाला नगर टोल प्लाजा के पास स्थित कोईलरा मोड़ पर मुड़ने के दौरान वाराणसी से प्रयागराज की तरफ जा रही एक टेलर उसकी बाइक की टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदशिर्यों के मुताबिक, उसके बाइक के बगल का हिस्सा टेलर के पहिए से टच हो गया, जिससे उसकी बाइक छिटक गई और वह गिरकर टेलर के पहिए के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और टेलर को कब्जे में ले लिया। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बी जे पी के लिए कठिन होगा आने वाला समय:राकेश सरण मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। राकेश सरण मिश्र ने बताया कि एन डी ए को एक्जिट पोल में 370 से ऊपर सीट दिलाने वाले न्यूज चैनल वाले जहां पूरी तरह अपने अनुमान में फेल हुए वहीं गारंटी के साथ भविष्य वाणी करने वाले पंडितो को भी इस बार के अप्रत्याशित लोकसभा परिणाम ने चारो खाने चित कर दिया। इस परिणाम ने यह साबित कर दिया की केवल कुछ हजार लोगो के सर्वे के बल पर पूरे देश के करोड़ों मतदाताओं के दिल में क्या है यह पता करना बहुत मुश्किल है। सर्वे एजेंसियों और भविष्यवक्ताओं को देश वासियों को गुमराह करने का खेल बंद करना चाहिए। बहरहाल चुनावी अनुमान के विरुद्ध लोक सभा का जो अप्रत्याशित परिणाम आया है वो वास्तव में सभी को चौकाने वाला है। अबकी बार चार सौ पार का नारा देने वाली एन डी ए गठबंधन को बहुमत पाने के लिए इतनी मशक्कत करनी पड़ेंगी ये एन डी ए के घटक दलों ने सोचा भी नही होगा। और ना ही बी जे पी ने सोचा होगा कि इस बार अकेले के दम पर वो बहुमत के आंकड़े 273 तक नही पहुंच पाएगी। भले ही एन डी ए गठबंधन के दम पर देश में तीसरी बार प्रधान मंत्री पद की शपथ लेने जा रहे नरेंद्र मोदी जी अपनी सरकार बना ले पर जो उत्साह सरकार बनाने में बी जे पी समर्थको में होना चाहिए वो इस बार दिखाई नहीं पड़ रहा है। देश के कई राज्यों में क्लीन स्वीप करने वाली भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश में इतना खराब प्रदर्शन करेंगी किसी ने नही सोचा होगा। सबसे बड़ी आश्चर्य की बात है कि बी जे पी ने जिस अयोध्या में राम मंदिर को लेकर पिछले कई वर्षो से अभूतपूर्व तैयारी की थी और मात्र चार माह पूर्व अयोध्या में भव्य राम मंदिर का पूरे जोर शोर के साथ पूजा पाठ करके दिब्य उद्घाटन समारोह किया जिसमे ना केवल पूरे भारत से बड़े बड़े वी आई पी आए बल्कि विदेशों से भी मीडिया

वालो ने आकर राम मंदिर उद्घाटन का विश्व भर में सीधा प्रसारण कर मोदी जी की लोक प्रियता और धर्म एवम हिंदुत्व के प्रति उनका समर्पण पूरी दुनिया को दिखाया, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा तथा अयोध्या को दुल्हन की तरह सजाने संवारने हेतु दिन रात काम किया और इसके बावजूद इसी अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहाने के आंदोलन में कार सेवकों पर गोली चलवाने वाली सपा सरकार का प्रत्याशी बी जे पी के प्रत्याशी को हरा देता है। बी जे पी से आखिर कहां चूक हो गई कि अयोध्या की सीट भी हाथ से निकल गई। और तो और वाराणसी देश के प्रधान मंत्री जी की सीट वो भी बहुत मुश्किल से मोदी जी के खाते में आई है। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय ने इस बार जबर्दस्त टक्कर मोदी जी को दिया जबकि मोदी जी कम से कम दो महीने में एक बार वाराणसी अवश्य आते हैं और अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के विकास में उन्होंने कोई कोर कसर नहीं छोड़ा है। चाहें वो वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के निर्माण की बात हो या वाराणसी के गंगा घाटों के सुंदरी करण की बात हो या वाराणसी की सड़कों के चौड़ीकरण की बात हो। फिर भी ये निराशाजनक परिणाम आना बी जे पी के लिएअत्यंत विचारणीय है। क्या इस बार के लोक सभा चुनाव में हिंदुत्व और राम मंदिर का कोई असर मतदाताओं पर नही हुआ। क्या गरीबों को मुफ्त राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, घर घर शौचालय योजना, किसान सम्मान योजना आदि तमाम योजनाओं का कोई फायदा बी जे पी को नहीं मिला। कुछ तो कमी हुई है आमजन को समझने में इस सरकार से। वही दूसरी तरफ राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन इंडिया का पूरे देश में शानदार प्रदर्शन आखिर देश के भविष्य की राजनीति के बारे में क्या इशारा करता है। विपक्षी गठबंधन के घटक दल कुछ वर्षो पहले जहां एक दूसरे के घूर विरोधी थे आज मोदी को हराने के लिए एक साथ खड़े हो गए और काफी हद तक वे सफल भी रहे। बी जे पी को हराने में क्या केवल विपक्षी दलों की एकता काम आई या कही बी जे पी के अंदर खाने भी मोदी योगी और अमित शाह के विरुद्ध कोई षडयंत्र किया जा रहा है? कुछ भी संभव है। राजनीति में आने वाले अधिकांश नेता अवसरवादी होते है और निज स्वार्थ में अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु किसी भी हद तक दल के सिद्धांतो के विरुद्ध नीचे गिरकर कोई भी खेल किसी के विरुद्ध कर सकते हैं। बहरहाल मोदी जी भले ही एन डी ए गटबंधन के बल तीसरी बार प्रधान मंत्री बनकर सरकार बना ले लेकिन इस बार उनको और दल के शीर्ष नेताओं को बहुत ही जिम्मेवारी के साथ बैठकर पिछले वर्षो में सरकार द्वारा किए गए फैसलों पर और देश के लिए सरकार की आर्थिक नीतियों, बेरोजगारी,भ्रष्टाचार, जी एस टी जिसमे ब्यापारियो का जम कर शोषण हो रहा है आदि पर गंभीरता पूर्वक विचार विमर्श करना होगा और गलत फैसलों को संशोधित करना होगा। अपने जीते हुए सांसदो की जनता के प्रति जवाबदेही तय करनी होगी तभी आगे की राह आसान हो सकती है वरना आने वाला समय बी जे पी के लिए और कठिन साबित होगा ऐसा प्रतीत होता है।

सड़क के किनारे कूड़ा करकट उठाने वाले बच्चों को भी मिलेगा शिक्षा का अधिकार- शेषमणि दुबे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शासन के दिशा-निर्देश के क्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी के आदेशानुसार जनपद स्तर पर बाल भिक्षा वृत्ति एवं सड़क के किनारे कूड़ा करकट उठाने वाले बच्चों के चिन्हाकन तथा पुनर्वासन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है थाना रावर्टसगंज अन्तर्गत कस्बा मे गठित टीम द्वारा अभियान चला कर नौ नाबालिग बच्चों का चिन्हाकन करते हुए उनके परिवार में पुर्नवासन कराया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्लूयू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि चिन्हित बच्चों के माता-पिता की काउन्सलिग की गयी एवं उनको महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना स्पान्सरशीप के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गयी और बताया गया कि योजनान्तर्गत पात्र बच्चों को चार हजार रूपये प्रतिमाह की दर से उनके शिक्षा और संरक्षण हेतु दिया जायेगा साथ बताया गया कि योजनान्तर्गत कुल 97 पात्र बच्चे लाभान्वित हो रहे है। संरक्षण

अधिकारी रोमी पाठक द्वारा बताया गया कि यह अभियान जनपद स्तर पर जून माह तक चलेगा सत्यम् चौरसिया सुपरवाईजर द्वारा बताया गया कि यदि कही पर बाल भिक्षा वृत्ति, सड़क के किनारे करकट उठाते, बाल श्रम, बाल विवाह सम्बंधित प्रकरण के संबंध में चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 1098 पर सूचित कर सकते हैं जिससे तत्काल कार्यवाही की जायेगी। मौकेपर जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक, सामाजिक कार्यकर्ता आकांक्षा उपाध्याय, ओ आर डब्लूयू शेषमणि दुबे, चाईल्ड हेल्पलाइन से सुपरवाईजर सत्यम चौरसिया, अशु गिरि, अनिल कुमार एवं मानव तस्करी रोधी इकाई टीम उपस्थित रही।

सदर प्रमुख ने पौधारोपण कर सीएम का मनाया जन्मदिन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर ब्लाक परिसर में बुधवार को सीएम योगी के जन्मदिन की जन्मदिन के अवसर पर ब्लॉक क्षेत्र के सभी गांव में 21हजार पौध कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई

पर सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत के नेतृत्व में पौधारोपण कर लिया संकल्प ब्लॉक क्षेत्र में 21हज़ार पौध रोपण को लेकर प्रधान बीडीसी के माध्यम से संकल्प पूरा करने को किया अपील। अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष व सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि योगी जी के जन्मदिन पर ब्लॉक परिसर में पौधारोपण कर प्रधान बीडीसी रोपण करने को दी जिम्मेदारी वहीं सदर ब्लाक प्रमुख ने बताया कि एससी मुख्यमंत्री के दीर्घायु की कामना करते हुए कार्यकर्ताओं वह पदाधिकारी में मिठाई बताकर दी गई शुभकामनाएं।इस दौरान पारस नाथ भारती जेईई ,मनोज कुमार,रवि कननैजिया ,बड़े बाबू ओमप्रकाश ,अमित पाठक,बिजेंदर भारती ,श्याम जेईई आदि लोग मौजूद रहे।

भगवान श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी से किया था पहला विवाह आचार्य मनोहर कृष्ण महाराज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर स्थित श्री राम जानकी मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन मंगलवार को वृंदावन से पधारे कथा व्यास आचार्य मनोहर उज्जैन नगरी जाकर के गुरु सांदीपनी के आश्रम में विद्या अध्ययन किया और वापस आए तो मैया यशोदा की याद आने लगी। उद्धव जी महाराज मां यशोदा नंद बाबा से मिलने के लिए ब्रज की

कृष्ण जी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने महाराज भीष्मक की बेटी रुक्मिणी से अपना पहला विवाह किया था।श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह की झांकी निकाली गई। इस दौरान समूचा कथा पांडाल जयकारे से गुंजायमान हो गया। दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। आचार्य जी ने कहा कि भगवान कृष्ण के द्वारा समस्त ब्रज गोपियों की इच्छा को पूर्ण करने के लिए अर्ध रात्रि में जमुना के किनारे महारास का दर्शन कराया गया था। भगवान कृष्ण को अकरूर जी लेने के लिए आए भगवान कृष्ण मथुरा के लिए प्रस्थान करते हैं। भगवान कृष्ण का मथुरा पुरी में भव्य स्वागत किया गया । भगवान कृष्ण कुब्जा पर कृपा करते हैं कुवलियां पीड हाथी का वध किया। चाणूर ओर मुसटिक का वध किया और कंस का उद्धार करके भगवान ने कारागृह से वसुदेव देवकी के सहित ऊग्रसेन जी को बंधन से मुक्त किया।
उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण यात्रा प्रारंभ करते हैं। उद्धव जी महाराज बड़े ज्ञानी थे, लेकिन ब्रज गोपियों के प्रेम को देखकर के उनका ज्ञान फीका पड़ गया। ब्रज गोपिया जो है भगवान कृष्ण से सच्चा प्रेम करती हैं आज का समाज घर परिवार बेटा बेटी से प्रेम करता है, लेकिन ब्रज गोपिया भगवान कृष्ण को ही अपना सर्वस्व मान बैठी। द्वारिका पुरी का निर्माण और भगवान कृष्ण ने महाराज भीष्मक की बेटी रुक्मणी से अपना प्रथम विवाह संपन्न किया। सभी भक्त बड़े धूमधाम से भगवान कृष्ण का प्रथम विवाह का आनंद लिया, सुंदर झांकी का दर्शन किया। इस दौरान समूचा कथा पांडाल जयकारे से गुंजायमान रहा। कथा सुनने वालों में ओम प्रकाश पाठक, महेंद्र प्रसाद शुक्ला, विजय कुमार कानोडीया, नरेंद्र कुमार पाठक, रामचंद्र मिश्रा, चंकी पांडेय, आशुतोष पाठक, अजीत शुक्ला, राजेंद्र द्विवेदी, सुशीला देवी आदि भक्तगण मौजूद रहे।

एनडीए गठबंधन की जीत पर मजदूर संघ के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने नपाध्यक्ष को दिया बधाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। एनडीए गठबंधन और मीरजापुर में तीसरी बार अनुप्रिया पटेल की जीत पर मजदूर संघ के अध्यक्ष अश्वनी कुमार एवं अन्य पदाधिकारियों ने नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी को बुके देकर बधाई दी है।इस मौके पर करण मालिवाल, आनंद कसेरा,रजनीश,अमजद हुसैन,शंभू,मुस्लिम,महेश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सदर विधायक ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौध रोपण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पर्यावरण की रक्षा के लिए सजग होना होगा। क्योंकि इसका खामियाजा मानव जाति के साथ-साथ पशु-पक्षियों को भुगतना पड़ रहा है। जलवायु परिर्वतन के गम सुप्रभातम्'। ऐसे शुद्ध वातावरण का आधार एकमात्र पर्यावरण की रक्षा से ही संभव है तथा पानी का एक मात्र स्रोत। वैसे तो भारतीय संस्कृति में वनस्पति की रक्षा के माध्यम से पर्यावरण को सुरक्षित

कुप्रभाव को कम करने के लिए गंभीरता पूर्वक पहल करना होगा। इसके लिए पेड़-पौधा लगाने के साथ प्रदूषण को कम करने के उपायों को अमल में लाना होगा। तभी पर्यावरण की रक्षा हो सकेगी। बुधवार को सोनभद्र वन प्रभाग कार्यालय पर विश्व पर्यावरण दिवस पर सदर विधायक भूपेश चौबे ने पौधरोपण के पश्चात पर्यावरण की रक्षा का संकल्प दिलाया। सदर विधायक ने कहा कि जल जीवन का आधार है। जीवन के पांच तत्वों में सबसे महत्वपूर्ण। जल का आधार है, पर्यावरण की रक्षा। पर्यावरण कैसे हो, इस बारे में वामनपुराण में उद्दत है ठपृथ्वी सगन्धा सरसास्तथापः स्पर्शी च वायुर्ज्वलिंत च तेजः। नभः सशब्दं महत्ता सहै व कुर्वन्तु सर्वे रखने के लिए इसे धर्म से जोड़ा ही है, समय-समय पर हमारे महापुरूषों ने इस अलख को जगाए रखा। इस मौके पर डीएफओ कुंज मोहन वर्मा, एसडीओ चुर्क विनीत सिंह, एसडीओ रामगढ़ शत्रुघन त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

सड़क के किनारे कूड़ा करकट उठाने वाले बच्चों को भी मिलेगा शिक्षा का अधिकार- शेषमणि दुबे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शासन के दिशा-निर्देश के क्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी के आदेशानुसार जनपद स्तर पर बाल भिक्षा वृत्ति एवं सड़क के किनारे कूड़ा करकट उठाने वाले और संरक्षण हेतु दिया जायेगा साथ बताया गया कि योजनान्तर्गत कुल 97 पात्र बच्चे लाभान्वित हो रहे है। संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक द्वारा बताया गया कि यह अभियान जनपद स्तर पर जून माह

बच्चों के चिन्हाकन तथा पुनर्वासन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है थाना रावर्टसगंज अन्तर्गत कस्बा मे गठित टीम द्वारा अभियान चला कर नौ नाबालिग बच्चों का चिन्हाकन करते हुए उनके परिवार में पुर्नवासन कराया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्लूयू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि चिन्हित बच्चों के माता-पिता की काउन्सलिग की गयी एवं उनको महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना स्पान्सरशीप के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गयी और बताया गया कि योजनान्तर्गत पात्र बच्चों को चार हजार रूपये प्रतिमाह की दर से उनके शिक्षा तक चलेगा सत्यम् चौरसिया सुपरवाईजर द्वारा बताया गया कि यदि कही पर बाल भिक्षा वृत्ति, सड़क के किनारे करकट उठाते, बाल श्रम, बाल विवाह सम्बंधित प्रकरण के संबंध में चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 1098 पर सूचित कर सकते हैं जिससे तत्काल कार्यवाही की जायेगी। मौकेपर जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक, सामाजिक कार्यकर्ता आकांक्षा उपाध्याय, ओ आर डब्लूयू शेषमणि दुबे, चाईल्ड हेल्पलाइन से सुपरवाईजर सत्यम चौरसिया, अशु गिरि, अनिल कुमार एवं मानव तस्करी रोधी इकाई टीम उपस्थित रही।

रोहिणी नक्षत्र और धृति योग में सुहागिनों ने रखा वट सावित्री व्रत, सत्यवान और यमराज की हुई पूजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। भगवान बुद्ध को बरगद वृक्ष के नीचे ही ज्ञान प्राप्त हुआ था। वट वृक्ष को पर्यावरण का संरक्षक भी माना जाता है। ये पेड़ सबसे ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों में से एक है। धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों ही दृष्टिकोण से जीवन के लिए महत्वपूर्ण है ज्येष्ठ मास कृष्णपक्ष की अमावस्या तिथि में गुरुवार को रोहिणी नक्षत्र और धृति योग में वट सावित्री पर्व मनाया जाएगा। सुहागिनें वट सावित्री व्रत रखकर बरगद के वृक्ष और सावित्री, सत्यवान व यमराज की पूजा करेंगी। कथा का श्रवण करेंगी। हालांकि, इस मास की त्रयोदशी से अमावस्या तिथि तक वट सावित्री व्रत रखने का विधान है। सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और मनोरथ की पूर्ति के लिए वट सावित्री व्रत रखती हैं। कुछ महिलाएं व्रत तीन दिनों तक रखती हैं। ज्यादातर महिलाएं अमावस्या को यह व्रत रखती हैं। देवी सावित्री के सम्मान में महिलाएं सोलह श्रृंगार कर बरगद की पूजा करने तक निर्जला व्रत रखती हैं। वट, सावित्री-सत्यवान और यमराज की पूजा करने के बाद बरगद के पेड़ की कोंपल खाकर अपना व्रत को खोलती हैं। आचार्य शुभम मिश्रा व आचार्य अमित मिश्रा ने बताया कि पुराणों में वट में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास बताया गया है।

इंडिया गठबंधन के जीत पर जननायक राहुल गांधी को :बधाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शहर कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के अध्यक्ष राजीव कुमार त्रिपाठी ने लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों पर खुशी जताते हुए जननायक नेता कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी जी को बधाई दी है श्री त्रिपाठी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राहुल प्रियंका और प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री माननीय अजय राय जी की जोड़ी ने यात्राओं के माध्यम से जो माहौल तैयार किया उससे इंडिया गठबंधन के पक्ष में सभी वर्गों का वोट आया आज देश में इंडिया गठबंधन एक ऐसी पार्टी उभरी है जिसको सभी जाति धर्म महिला युवा किसान नौजवान सभी का पुरजोर समर्थन मिल रहा हैं देश का युवा एक आशा भरी नजर से राहुल गांधी को देख रहा हैं की वही एक ऐसे नेता है जो संविधान के भी रक्षक है और मानवता के भी रक्षक है राहुल गांधी जी के प्रधानमंत्री बनेने का जनता सपना देख रही है जो जल्द ही पूर्ण होगा और जन-जन में खुशहाली का माहौल रहेगा हम इंडिया गठबंधन के देशभर के सभी जीते हुए सांसदों को और वाराणसी संसदीय सीट पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय जी द्वारा जबरदस्त टक्कर देने पर शहर कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के तरफ से शुभकामना संदेश भेज रहे हैं। श्री त्रिपाठी ने आगे कहा कि हम लोग वाराणसी में अपने प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव प्रचार में पूरी शिद्दत से लगे हुए थे बनारस के लोगों में वहां के पूर्व सांसद नरेंद्र दामोदरदास मोदी के विरोध में आवाज उठ रही थी जिसका परिणाम 4 जून को पता चला की तमाम राजनीतिक कोशिश करने के बाद भी तमाम मंत्री राज्यपाल डेरा डाले हुए थे किंतु बहुत ही कम मार्जिन से प्रधानमंत्री की जीत यह दर्शाती है कि काशी की मूल जनता ने उनको नकार दिया है कांग्रेस पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत शुभकामनाएं एवं बधाई जिन्होंने अपने गठबंधन के प्रत्याशी के पक्ष में दिन-रात मेहनत करके उनको जीताने में अपनी भूमिका निभाई। राजीव त्रिपाठी के साथ शहर उपाध्यक्ष आशीष कुमार शुक्ला,इंजीनियर शिव प्रसाद यादव, बेबी सिंह, प्रदीप कुमार चौबे, महासचिव प्रांजल श्रीवास्तव, देवेंद्र शर्मा ,शंकर लाल भारती अजीत बियार, मुस्तफा खान, राजेश,यादव लाल बहादुर वर्मा, रेखा सिंह साथ में रहे ।

भारत विकास परिषद ने मनाया पर्यावरण दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज में विंध्य कन्या विद्यालय परिसर में सोनभद्र शाखा के पदाधिकारियों ने पौधारोपण करके पर्यावरण दिवस मनाया. सोनभद्र शाखा के अध्यक्ष अजित जायसवाल ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने के उद्देश्य से हर साल विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हैं। प्रांतीय प्रकल्प प्रमुख काशी प्रांत के गौरव अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण दिवस मनाने की नींव 1972 में पड़ी, जब संयुक्त राष्ट्र संघ ने पहला पर्यावरण दिवस मनाया है और हर साल इस दिन को मनाने का एलान किया। इस मौके पर अंजली विक्रम सिंह, अनीता गुप्ता, वैभव शर्मा, डॉ रोहित केडिया,संदीप जायसवाल सहित कई लोग मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने हेतु जागरूकता रैली एवं विशाल पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
एनटीपीसी (सिंगरौली)। शक्तिनगर पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर में

विश्व पर्यावरण दिवस-2024 के तहत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने हेतु जागरूकता रैली एवं विशाल पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। एनटीपीसी सिंगरौली में इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस ङ्कभूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा सहनशीलता'' थीम के अनुसार मनाया गया। इस अवसर पर एनटीपीसी सिंगरौली के आवासीय परिसर में स्थित अंबेडकर भवन से कर्मचारी विकास केंद्र तक पर्यावरण रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख श्री राजीव अकोटकर ने हरी झंडी के साथ रैली एवं विश्व पर्यावरण दिवस का शुभारंभ किया। तदुपरान्त कर्मचारी विकास केंद्र के प्रांगण में बालिका सशक्तीकरण अभियान-2024 की बालिकाओं के साथ पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर श्री राजीव अकोटकर ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण हेतु सभी को सार्थक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आग्रह किया सभी अपने आस-पास पौधरोपण करें एवं पृथ्वी को हरित बनाने हेतु जागरूकता बढ़ाएँ। पर्यावरण संरक्षण की संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु बच्चों, गृहिणियों, कर्मचारियों, संविदा कर्मचारियों, आसपास के स्थानीय समुदायों के लिए सप्ताह भर विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे नारा लेखन, निबंध लेखन, चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गईं। एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न कदम जैसे एसओ2 उत्सर्जन के नये मानकों के पालन हेतु एफ़जीडी सिस्टम की स्थापना कार्य , एसपीएम उत्सर्जन कम करने हेतु ईएसपी का नवीनीकरण, जल संरक्षण के लिए ऐश वाटर रिसायक्लींग सिस्टम, पर्यावरण संरक्षण हेतु डस्ट इक्स्ट्रेक्शन एण्ड सेपरेशन सिस्टम, 20 लाख से अधिक वृक्षारोपण, राख उपयोग वृद्धि हेतु एनएच के निर्माण एवं ऐश ब्रिक के निर्माण हेतु राख का प्रेषण, पर्यावरण अनुकूल हेतु 50 लाख राख के ईटों के निर्माण जैसे अनेकों सार्थक कदम उठाए गए है । कार्यक्रम में श्री एलके बेहरा, मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), श्रीमती पीयूषा अकोटकर, अध्यक्षा, वनिता समाज, श्रीमती आरती बेहरा, बाल भवन प्रभारी, वनिता समाज, श्री अमरीक सिंह भोगल, महाप्रबंधक (ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस), श्री जोसफ बास्टियन, महाप्रबंधक (ऐश डाइक प्रबंधक), श्री सिद्धार्थ मण्डल, विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन), वनिता समाज की अन्य सदस्याएँ, तथा अन्य सभी एनटीपीसी के विभाग प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारीगण, यूनियन एवं एसोशिएशन के मानद प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहें।

न्यूयॉर्क की पिच को लेकर मचा बवाल, पूर्व क्रिकेटरों ने लगाई आईसीसी को लताड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

न्यूयार्क। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) हमेशा स्पोर्टिंग पिचों की बात करता है, लेकिन महीने लगते हैं, लेकिन न्यूयार्क की नसाऊ काउंटी के आइजनहवर पार्क में बने अस्थायी स्टेडियम में इसे तीन महीने में ही सेट कर दिया का मैच देखकर जाना पड़ा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने भारत और आयरलैंड की पिच को शॉकिंग पिच तक बता दिया।वहीं, कमेंटेटर

अगर दो मैच को छोड़ दें, उसकी देखरेख में हो रहे टी-20 प्रारूप के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अब तक अच्छी पिचें देखने को नहीं मिली हैं, खासकर न्यूयार्क की ड्रॉप इन पिचें विश्व स्तरीय नहीं हैं। भारत में जब भी मैच होते हैं तो वहां की पिच पर काफी सवाल उठाए जाते हैं। हालांकि, न्यूयॉर्क की पिच पर उठ रहे सवालों पर आईसीसी मौन है न्यूयॉर्क में बने अस्थायी क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी ने चार ड्रॉप इन पिचें लगाई हैं जिसमें दो पिचों पर एक अभ्यास मैच और दो लीग मैच हुए। तीनों मैचों में बल्लेबाजों की हालत ज्यादा अच्छी नहीं रही। कभी पिच स्लो नजर आई तो कभी दोहरा उछाल दिखाई दिया। टी-20 को बल्लेबाजों का खेल माना जाता है लेकिन यहां पर बल्लेबाजों के लिए कुछ खास दिखाई नहीं दे रहा है सूत्रों के मुताबिक ड्रॉप इन पिच को स्थापित करने में करीब छह से नौ गया। अमूमन पिच में एक तरफ से स्लोप शुरू होता है और बीच में पिच हल्की सी ऊंची होती है और दूसरी ओर जाकर स्लोप खत्म होता है, लेकिन यह पिच बीच में जाकर हल्की सी नीची हो जा रही है यही नहीं पिच में बीच-बीच में हल्के से पैच (दरारें) हैं जिसमें गेंद पड़ रही है तो नीची रह रही है और उनके किनारे पर जब गेंद टप्पा खा रही है तो उसमें टेनिस बाउंस (उछाल) मिलता है। यही नहीं यहां की आउटफील्ड भी काफी धीमी है। भारत और आयरलैंड के बीच लीग मैच में भी यह साफ दिखाई दिया। टीम तो भारतीय तेज गेंदबाजों को सह भी नहीं सकी, जबकि एक असमान उछाल वाली गेंद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की बांह में लगी, जिसके कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर बाहर जाना पड़ा। यही नहीं जो भारतीय दर्शक यहां पर अच्छा मैच देखने आए थे उन्हें कम समय और पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने भी पिच की आलोचना की है। इरफान पठान ने कहा, 'हम निश्चित रूप से अमेरिका में क्रिकेट को बढ़ावा देना चाहते हैं, लेकिन यह पिच खिलाड.ियों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर हमारे पास भारत में ऐसी पिच होती, तो बहुत लंबे समय तक वहां फिर कभी कोई मैच नहीं खेला जाता।' अमेरिका में न्यूयार्क के अलावा डलास और फ्लोरिडा में मैच हो रहे हैं। मैच के बाद भारतीय कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर पिच को देखने गए। उन्होंने उस पिच को भी देखा जिसमें भारत को पाकिस्तान से खेलना है। भारत को अभी इस मैदान पर दो मैच और खेलने हैं। आईसीसी की जनरल मैनेजर (मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशन) क्लेयर फर्लांग ने कहा, 'पिच की जांच कराई जा रही है। मैच अधिकारी इसे रेट करेंगे।

युगांडा ने पीएनजी को हराकर रचा इतिहास टी20 वर्ल्ड कप में दर्ज की अपनी पहली जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। युगांडा ने गुरुवार को गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में ऐतिहासिक जीत दर्ज की। मेंस 10 गेंद शेष रहते मैच जीत लिया। युगांडा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पीएनजी की शुरुआत बेहद खराब हुए युगांडा की भी शुरुआत खराब रही। रोजर मुकासा (0) और साइमन सेसाजी (1) रन बनाकर आउट हुए। रॉबिंसन ओबुया भी

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपना पहला मैच जीता। रियाजत अली शाह की धैर्यपूर्ण 33 रनों की पारी की बदौलत युगांडा ने कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में 78 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पापुआ न्यू गिनी को तीन विकेट से हराया। युगांडा ने टी20 वर्ल्ड कप में इतिहास रचते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। रियाजत अली शाह की धैर्यपूर्ण 33 रनों की पारी की बदौलत युगांडा ने कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में 78 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पापुआ न्यू गिनी को तीन विकेट से हराया। पीएनजी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 77 रन बनाए थे। युगांडा ने रही। असदवाला बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। टोनी ऊरा 1 रन बनाकर आउट हुए। इन दो शुरुआती झटकों से पापुआ न्यू गिनी उबर नहीं सकी और लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। लेगा सियाका ने 12 और हिरी हिरी ने सर्वाधिक 15 रन की पारी खेली। पापुआ न्यू गिनी के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सके। पीएनजी की पूरी टीम 19.1 ओवर में 77 रन बनाकर आउट हो गई। युगांडा की तरफ से रामजनी, क्येवूता, जुमा मियाजी और फ्रैंक नसूबूगा को दो-दो विकेट मिले। ब्रायन मसाबा को एक विकेट मिला। 78 रन के लक्ष्य का पीछा करते 1 रन का योगदान दे सके। रियाजत अली शाह ने टिक कर खेलते हुए 56 गेंद पर 33 रन की पारी खेली। आखिर में जुमा मियाजी ने 16 गेंद पर 13 रन बनाकर टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। केनेथ वैसवा के बल्ले से विनिंग रन निकला। युगांडा ने 10 गेंद शेष रहते 7 विकेट पर 78 रन बनाकर मैच जीत लिया। युगांडा ने टी20 वर्ल्ड कप में इतिहास रचते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। पापुआ न्यू गिनी की तरफ से आलेई नाओ, नॉर्मन वानुआ को दो-दो विकेट मिले। चैड सोपर और असदवाला को एक-एक विकेट मिला।

जीत के बाद भी खुश नहीं दिखे रोहित शर्मा, इस बात की कर दी शिकायत, जता दी बहुत बड़ी चिंता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में आयरलैंड को 8 विकेट से हरा दिया। लेकिन इस मैच ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। टीम इंडिया की चिंता पिच को लेकर है। आयरलैंड के हुए चार चौके और तीन छक्के मारे। पंत ने नाबाद 36 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने इस पिच पर आयरलैंड को 96 रनों पर ढेर कर दिया था और फिर 12.2 ओवरों में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। ये मैच न्यूयॉर्क के नसाउ

खिलाफ मैच में पिच पर असीमित उछाल देखने को मिला। इसी कारण रोहित शर्मा को चोट लगी और ऋषभ पंत भी चोटिल हुए। मैच के बाद रोहित ने पिच को लेकर बयान दिया है। उन्होंने एक तरह से चिंता जाहिर की है। रोहित शर्मा ने आयरलैंड के खिलाफ 52 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 37 गेंदों का सामना करते हुए चार चौके और तीन छक्के मारे। पंत ने नाबाद 36 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने इस पिच पर आयरलैंड को 96 रनों पर ढेर कर दिया था और फिर 12.2 ओवरों में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। रोहित ने आयरलैंड के खिलाफ 52 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 37 गेंदों का सामना करते इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। ये मैदान 100 दिन में तैयार किया गया है। यहां ड्रॉप-इन पिचों का इस्तेमाल किया गया है। रोहित ने कहा कि पिच अभी अच्छी तरह से सैटल नहीं हुई है। मैच के बाद रोहित ने कहा, ठनया मैदान है, नई जगह है। देखना चाहते थे कि यहां खेलना कैसा होता है। पिच अभी तक सैटल नहीं हुई है। इस पिच पर गेंदबाजों के लिए काफी कुछ था। रोहित ने कहा कि वह यहां चार स्पिनर खिलाने की सोच भी नहीं सकते। उन्होंने कहा, ठमुझे नहीं लगता कि हम यहां चार स्पिनर खिला सकते हैं। जब हालात तेज गेंदबाजों के मुताबिक हैं तो हम उन्हें टीम में रखेंगे।

डेविड वॉर्नर ने अर्धशतक जड़कर रचा इतिहास, एरोन फिंच और क्रिस गेल का तोड़ा रिकॉर्ड; ऐसा करने वाले बने पहले बल्लेबाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत ओमान से है। ओमान ने टॉस जीतकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। ओमान के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ट्रेविस हो गए हैं। इस दौरान 27 अर्धशतक और 1 शतक दर्ज है। एरोन फिंच ने 103 मैच की 103 पारियों में 3120 रन बनाए थे। उनके नाम 19 अर्धशतक और 2 शतक भी

ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी करने का निमंत्रण दिया। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अर्धशतकीय पारी खेली। इस पारी के दम पर डेविड वॉर्नर ने अपने नाम दो रिकॉर्ड दर्ज किए। डेविड वॉर्नर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना 27वां अर्धशतक तो टी20 क्रिकेट में 111वीं हाफ सेंचुरी जड़ी। इस अर्धशतक की बदौलत वॉर्नर ने क्रिस गेल का बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त किया। अर्धशतक जड़ने से पहले डेविड वॉर्नर ने एरोन फिंच को पीछे छोड़ा। वॉर्नर अब ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 हेड मात्र 12 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, एक छोर पर खड़े डेविड वॉर्नर ने संभलकर खेला और कप्तान मिचेल मार्श के साथ 31 रन की साझेदारी की। जब डेविड वॉर्नर 22 के स्कोर पर थे तब वॉर्नर ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एरोन फिंच को पीछे छोड़ दिया। दरअसल, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने गए हैं। डेविड वॉर्नर के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब 104 मैच की 104 पारियों में 3155 रन है। ओमान के खिलाफ वॉर्नर ने 51 गेंद पर 56 रन की पारी खेली। इस अर्धशतक की बदौलत क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। डेविड वॉर्नर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना 27वां अर्धशतक तो टी20 क्रिकेट में 111वीं हाफ सेंचुरी जड़ी। इसकी बदौलत वॉर्नर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 50 प्लस का स्कोर बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने गए हैं। वॉर्नर ने क्रिस गेल को पीछे छोड़ा। कैरेबियाई बल्लेबाज ने टी20 क्रिकेट में 110 बार 50 प्लस का स्कोर बनाया है।

हार्दिक पांड्या का गजब का कमबैक आईआरई के खिलाफ 3 विकेट लेकर हासिल किया ये बड़ा कीर्तिमान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत और आयरलैंड के बीच न्यूयॉर्क में टी20 विश्व कप 2024 का मुकाबला खेला गया, जिसमें टीम इंडिया ने 8 विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में टीम जोकि सही साबित हुआ। आयरलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में हार्दिक पांड्या ने ने गेंद से कहर बरपा और अहम भूमिका निभाई। पांड्या ने आयरलैंड के खिलाफ 3 विकेट चटकाए और खास उपलब्धि हासिल

इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने शानदार गेंदबाजी की। हार्दिक ने अपने कोटे के चार ओवर फेंके और 3 विकेट चटकाए। 3 विकेट लेने के बाद हार्दिक पांड्या टी20 विश्व कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे नंबर पर आ गए है टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपने पहले मैच में भारतीय टीम ने आयरलैंड को 8 विकेट से धूल चटाई और टूर्नामेंट का आगाज जीत के साथ किया। इस मैच में भारत के गेंदबाजों से लेकर बल्लेबाज सभी का प्रदर्शन शानदार रहा। रोहित शर्मा ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलीं। हार्दिक पांड्या ने भी गेंद से कहर बरपाते हुए 3 विकेट चटकाए दरअसल, भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आयरलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, की। हार्दिक पांड्या टी20 विश्व कप इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले संयुक्त रूप से तीसरे गेंदबाज बने। बता दें कि टी20 विश्व कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट आर अश्विन ने लिए हैं। अश्विन ने 24 मैच खेलते हुए कुल 32 विकेट अपने नाम किए हैं, जबकि रविंद्र जडेजा ने 23 मैचों में 21 विकेट चटकाए हैं। हार्दिक पांड्या ने टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने की लिस्ट में इरफान पठान और हरभजन सिंह के साथ संयुक्त रूप में तीसरा स्थान हासिल किया। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट शाकिब अल हसन के नाम पर दर्ज हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 47 विकेट हासिल किए हैं। दूसरे नंबर पर शाहिद अफरीदी का नाम हैं।

आईपीएल 2025 से पहले अश्विन की सीएसके में हुई वापसी ऑफ स्पिनर को मिल गया ये बड़ा रोल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज ऑफ स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन एक बार फिर सीएसके में हैं जिससे उनके उस फ्रेंचाइजी में वापसी की उम्मीद की जा रह है। सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के लिए भी खेलेंगे। 37 साल के अश्विन हाल ही में अनिल कुंबले के बाद टेस्ट में 500 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे गेंदबाज बने

वापसी करने को तैयार है। इंडिया सीमेंट्स के साथ अश्विन जुड़ रहे हैं, जिससे उनके उस फ्रेंचाइजी में वापसी की उम्मीद की जा रह है। सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा कि अश्विन केंद्र के साथ-साथ भारत और विदेशों की टीम की विभिनन्न अकादमियों की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। सीएसके फ्रेंचाइजी हो सकता है आईपीएल 2025 के ऑक्शन के दौरान उन्हें खरीद सकती है। भारतीय टीम के दिग्गज ऑफ स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन एक बार फिर सीएसके में वापसी करने को तैयार है। इंडिया सीमेंट्स के साथ अश्विन जुड़ रहे से बात करते हुए कहा कि अश्विन केंद्र के साथ-साथ भारत और विदेशों की टीम की विभिनन्न अकादमियों की भी जिम्मेदारी संभालेंगे दरअसल, सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथ ने अश्विन को लेकर न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत करते हुए कहा कि अश्विन भारत और तमिलनाडु के महान खिलाड.ियों में से एक हैं और उनकी उपस्थिति से हाई परफॉर्मेंस केंद्र और हमारी अकादमियों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा यह केंद्र चेनन्ई के बाहरी इलाके में स्थित है। हमने उनको दोबारा साइन किया है। अब वो सीएसके वेंच्योर का हिस्सा हैं और टीएनसीए फर्स्ट डिवीजन में इंडिया सीमेंट्स है। वह इंडियन प्रीमियर लीग में 2009 से 2015 तक सीएसके टीम का हिस्सा रहे थे। आईपीएल के लिए इस साल बड़ी नीलामी होनी है और ऐसे में अगर अश्विन बोली का हिस्सा होते है तो सीएसके उन्हें अपनी टीम से जोड़ने की कोशिश कर सकती है बता दें कि साल 2008 से 2015 तक अश्विन आईपीएल में सीएसके के लिए खेल चुके हैं और 2009-10 में जिस तरह से उन्होंने अपना प्रदर्शन किया, उसके बाद उन्हें भारतीय टीम में जगह मिल गई। अश्विन ने इसके बाद पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेला हैं।

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

ओमान के खिलाफ गोल्डन डक पर आउट हुए ग्लेन मैक्सवेल टी20 क्रिकेट में दर्ज हुआ यह शर्मनाक रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में ग्लेन मैक्सवेल का बल्ले से खराब प्रदर्शन रहा। पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता मिलने के बाद ऑस्ट्रेलिया का यह ऑलराउंडर गोल्डन डक पर आउट हुआ। मैक्सवेल के नाम टी20 क्रिकेट में शून्य पर आउट होने का एक अनोखा रिकॉर्ड दर्ज हो गया। मिचेल मार्श के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए ग्लेन मैक्सवेल गोल्डेन डक पर आउट हुए। मैक्सवेल को मेहरन खान ने आउट किया। मैक्सवेल टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले चौथे बल्लेबाज बने गए हैं। मैक्सवेल ने आयरलैंड के पॉल स्टार्लिंग को पीछे छोड़ दिया है। मैक्सवेल अब तक टी20 क्रिकेट में 33 बार बिना खाता खोले आउट हो चुके हैं। ओमान के कप्तान इलियास ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए कहा। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 164 रन बनाए। डेविड वॉर्नर और मार्कस स्टोइनिस ने अर्धशतकीय पारी खेली। को मेहरन खान ने आउट किया। मैक्सवेल टी20 क्रिकेट में सबसे कप में ऑस्ट्रेलिया अपने पहले मैच में ओमान के सामने है। ऑस्ट्रेलिया

हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही। ट्रेविस हेड 12 रन तो कप्तान मिचेल मार्श 14 रन बनाकर जल्दी आउट हो गए। मिचेल मार्श के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए ग्लेन मैक्सवेल गोल्डेन डक पर आउट हुए। मैक्सवेल ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले चौथे बल्लेबाज बने गए हैं। मैक्सवेल ने आयरलैंड के पॉल स्टार्लिंग को पीछे छोड़ दिया है। मैक्सवेल अब तक टी20 क्रिकेट में 33 बार बिना खाता खोले आउट हो चुके हैं। बता दें कि टी20 वर्ल्ड ने डेविड वॉर्नर और मार्कस स्टोइनिस के अर्धशतकों की बदौलत एक फाइटिंग टोल बनाया। पहले 10 ओवर में ओमान के गेंदबाजों ने अपने शिकंजा कसे रखा। हालांकि, वॉर्नर और स्टोइनिस के बीच हुई शतकीय साझेदारी ने सब बदल दिया।

सम्पादकीय

स्कूल में हल्के शारीरिक दंड से बच्चा सुधरता है तो हर्ज क्या है

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने हाल में नेपाल की राजधानी काठमांडू के एक कार्यक्रम में अपने बचपन का एक किस्सा सुनाया, जिसमें उन्होंने बताया कि जब वो पांचवीं कक्षा में थे तो एक गलती के लिए उन्हें उनकी टीचर ने बेंत से पीटा था। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने हाल में नेपाल की राजधानी काठमांडू के एक कार्यक्रम में अपने बचपन का एक किस्सा सुनाया, जिसमें उन्होंने बताया कि जब वो पांचवीं कक्षा में थे तो एक गलती के लिए उन्हें उनकी टीचर ने बेंत से पीटा था। वो कमर पर बेंत की पिटाई चाहते थे, लेकिन टीचर ने उन्हें हाथ पर ही बेंत मारे थे, जिसके निशान पड़ गए थे। यह बात उन्होंने माता-पिता से 10 दिनों तक छुपाए रखी थी। यदि यह आज यह घटना होती तो बेंत मारने वाला टीचर जेल भी जा सकता था। सरकार ने बच्चों की स्कूल में पिटाई को लेकर बाकायदा कानून बनाया है, लेकिन एक बहस लंबे समय से चली आ रही है कि शिक्षक बच्चों को शारीरिक दंड दे सकता है या नहीं। यदि हल्के शारीरिक दंड से बच्चा सुधरता है तो उसमें हर्ज किया है? हम अनेकोनेक किस्से अपने बड़े-बुजुर्गो से सुनते आए हैं कि किस तरह उनके शिक्षक अपने विद्यार्थियों को पीटते थे। बड़ी तादाद में विद्यार्थी उस पिटाई से सुधर गए और जीवन में स्कूल व शिक्षक का नाम रोशन किया। वहीं, एक पक्ष ऐसा भी है, जो कहता है कि शिक्षक की पिटाई से बच्चों पर एक मनोवैज्ञानिक असर आता है और उसके दूरगामी पर दुष्परिणाम होते हैं।दरअसल, ऐसी अनेक खबरें संचार माध्यमों में देखने को मिल जाती हैं कि शिक्षक की पिटाई से बच्चे का हाथ टूट गया, कान का पर्दा फट गया या बच्चे की मौत तक हो गई।बात यह है कि आखिर बच्चों की पिटाई की सीमा क्या होनी चाहिए? क्योंकि पिछले साल ऐसे ही एक केस में बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा था कि टीचर द्वारा स्कूल में बच्चों को सही करना अपराध नहीं हो सकता, अगर उसका इरादा दुर्भावनापूर्ण नहीं हो।सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के किस्से से एक बार फिर शिक्षकों द्वारा बच्चों की पिटाई का विषय चर्चा में आ गया है। सवाल यह है कि बच्चों को सुधारने के लिए यदि हल्का शारीरिक दंड दिया जाए तो क्या वो भी गंभीर अपराध की श्रेणी में आएगा, क्योंकि कई उदाहरण ऐसे भी आते हैं कि अभिभावक स्वयं चाहते हैं कि उनका बच्चा गलतियां न करे और शिक्षक उसे मारपीट कर सही रास्ते पर ले आएं। हालांकि, बड़ी संख्या ऐसे अभिभावकों की भी है, जिन्हें शिक्षक द्वारा बच्चे को हाथ लगाना तक स्वीकार नहीं होता। इस विषय की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने किशोर न्याय अधिनियम 2015 यानी जुवेनाइल जस्टिस एक्ट लागू किया। देश में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गाइडलाइंस बनाईं, जिसमें स्कूल में पिटाई को लेकर प्रावधान है। शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 17 में कहा गया है कि स्कूल में किसी भी तरह के शारीरिक दंड, मानसिक प्रताड़ना और भेदभाव पूरी तरह प्रतिबंधित है। जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 की धारा 75 में कहा गया है कि बच्चे की देखभाल और उनकी सुरक्षा स्कूल की जिम्मेदारी होगी। जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 की धारा 82 के अनुसार इसके तहत जेल और जुर्माने का प्रावधान है। ऐसे भी कई मामले आते हैं कि बच्चों के माता-पिता की शिकायत को स्कूल प्रबंधन नहीं मानते हैं। ऐसे में माता-पिता को अधिकार होता है कि वो नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एनसीपीसीआर) में जाकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।एनसीपीसीआर के अनुसार स्कूल में जिन लोगों को नौकरी पर रखा जाता है, उनका पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य हो। स्टाफ से एफिडेविट लेना जरूरी है कि वो पहले जुवेनाइल जस्टिस एक्ट और पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी नहीं होने चाहिए। सीबीएसई की गाइडलाइंस के तहत अगर स्कूल किसी भी नियम का उल्लंघन करता है तो उसकी मान्यता रद्द की जा सकती है। शारीरिक दंड देने पर शिक्षा को 10,000 रुपए का जुर्माना हो सकता है। यही अपराध दोहराने पर तीन माह की जेल का प्रावधान है। शिक्षक को सस्पेंड किया जा सकता है। जांच में सहयोग नहीं करने पर शिक्षक को 3 महीने की जगह सजा का प्रावधान है। स्कूल पर एक लाख का जुर्माना लगाया जा सकता है।सवाल यह है कि बच्चों को यदि छोटा-मोटा शारीरिक दंड देकर सुधारा जा सकता है तो हर्ज किया है। काठमांडू के कार्यक्रम में सीजेआई डी.वाई चंद्रचूड़ ने कहा भी कि बच्चों के साथ किए गए बर्ताव का असर जिंदगी भर उनके दिमाग पर रहता है। यह बात बिल्कुल सही है।

धधक रहे हैं धरती के फेफड़े, हो रहा पर्यावरण का विनाश

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के आंकड़ों के अनुसार देश का 36 प्रतिशत वनक्षेत्र अक्सर वनाग्नि से धधकता रहता है और इसमें से भी 4 प्रतिशत क्षेत्र वनाग्नि की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। जबकि 6 प्रतिशत वनावरण अत्यधिक अग्नि प्रवण पाया गया है। धरती पर जीवन जीने के लिए अति आवश्यक

ऑक्सीजन के उत्पादन में एल्गी या शेवाल के बाद वनों की महती भूमिका को देखते हुए वनों को धरती के फेफड़ों की संज्ञा भी दी जाती है। लेकिन जब फेफड़े ही जल रहे हों तो फिर स्थिति की गंभीरता को आंका जा सकता है। अगर आप भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के वनाग्नि डेशबोर्ड पर 24 अप्रैल की सुबह की ताजा स्थिति पर नजर डालें, तो आपको देशभर में पृथ्वी के दहकते फेफड़ों में मची तबाही का मंजर साफ नजर आएगा। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग उपग्रह से प्राप्त वनाग्नि के दृश्यों के विश्लेषित आकड़ों की पल-पल की जानकारी राज्यों के वन विभागों को देता है, जिससे की वनाग्नि को बुझाने के लिए तत्काल कार्यवाही कर सकें।

विभाग के डैशबोर्ड पर 24 अप्रैल की प्रातः उत्तर से लेकर दक्षिण तक देश के 13 राज्यों में 62 वन क्षेत्रों में भीषण आग लगी हुई थी, जिनमें हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड में सर्वाधिक 30 स्थानों पर जंगल भयंकर रूप से धू-धू कर जल रहे थे। हिमालय पर लपटें कितनी खतरनाक हैं, उसे बढ़ती दैवी आपदाओं से साफ महसूस किया जा सकता है। डैशबोर्ड में दूसरे नम्बर पर 8 घटनाओं के साथ आन्ध्र प्रदेश, 6 के साथ बिहार और 3 अग्निकांडों के साथ झारखण्ड को दर्शाया गया था। बाकी राज्यों में एक या दो घटनाऐं दर्शायी गयीं थी। यही नहीं डैशबोर्ड में 17 अप्रैल से 22 अप्रैल तक के सप्ताह में हुए भीषण अग्निकाण्डों में उड़ीसा को पहले और उत्तराखण्ड को दूसरे स्थान पर दर्शाया गया था। उसके बाद वन बाहुल्य छत्तीसगढ़, और झारखण्ड की स्थिति बताई गई है।सरकारी विवरणों को अगर देखें तो वनाग्नि के नुकसान में केवल पेड़ों की गिनती करने के साथ ही आर्थिक नुकसान का आंकलन कर दिया जाता है।

दहकते जंगल उगल रहे हैं ब्लैक कार्बन, संकट में पर्यावरण

सबसे बड़ी चिन्ता का विषय तो यह है कि हिमालय की गोद में बसा उत्तराखण्ड इस दावानल से सर्वाधिक प्रभावित है जिसका सीधा असर उस हिमालय पर पड़ रहा है जिसे एशिया की जलवायु का नियंत्रक और महाद्वीप का जलस्तंभ या वाटर टावर कहा जाता है। इस समय आग जंगलों को निगल रही है और जंगल ब्लैक कार्बन उगल रहे हैं। ग्रीष्म ऋतु के अपने चरम की ओर तेजी से बढ़ते जाने के साथ ही जंगलों में भड़की आग भी अपना विकराल रूप लेती जा रही है। हालात यह हैं कि जंगल की आग से उत्पन्न धुएं के घटाटोप में पहाड़ भी डूबते नजर आ रहे हैं, जिस कारण लोगों को श्वांस जैसी कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं सबसे बड़ी चिन्ता का विषय तो यह है कि हिमालय की गोद में बसा उत्तराखण्ड इस दावानल से सर्वाधिक प्रभावित है जिसका सीधा असर उस हिमालय पर पड़ रहा है जिसे एशिया की जलवायु का नियंत्रक और महाद्वीप का जलस्तंभ या वाटर टावर कहा जाता है। इस समय आग जंगलों को निगल रही है और जंगल ब्लैक कार्बन उगल रहे हैं। अगर आप भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के वनाग्नि पोर्टल का अवलाकन करें तो उसमें पिछले 7 दिनों के दौरान उत्तराखण्ड का वनाग्नि के सर्वाधिक लगभग 4500 अलर्ट उत्तराखण्ड को भेजे गए हैं। इस अवधि में सर्वाधिक 350 वनाग्नि की बड़ी या गंभीर घटनाएं उत्तराखण्ड में दर्ज हुई है और उसके बाद बाद उड़ीसा और फिर छत्तीसगढ़ में दर्ज हुई है, उसमें 5 मई को प्रदर्शित देशभर में भड़की कुल बड़ी वनाग्नियों में से अकेले उत्तराखण्ड के जंगलों की 110 घटनाएं दर्शायी गई थी। इधर, 8 मई 2024 को प्रातः 10 बजे तक देश में वनाग्नि की 22 बड़ी घटनाएं दर्ज हुई जिनमें सर्वाधिक 15 भीषण वनाग्नियां उत्तराखण्ड की थीं, जबकि डैशबोर्ड पड़ोसी हिमाचल में केवल 2 घटनाएं दिखा रहा था। इस वनाग्नि आपदा में वन सम्पदा के स्वाहा होने के साथ ही वन्यजीवन तो तबाह हो ही रहा है। लेकिन इससे वे अदृश्य संकट भी प्रकट होने लगे हैं जिनमें सांस लेने में परेशानी भी शामिल है। इन अदृश्य संकटों में जलवायु परिवर्तन भी है।यह वैज्ञानिक सत्य है कि जंगल की आग ब्लैक कार्बन के उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देती है। जब जंगल जलते हैं तो वे बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और ब्लैक कार्बन सहित अन्य प्रदूषक भी उत्सर्जित करते हैं। जंगल की आग से उत्पन्न ब्लैक कार्बन की मात्रा वनस्पति जलने के प्रकार, आग की तीव्रता और मौसम की स्थिति जैसे कारकों के आधार पर भिन्न हो सकती है और उन क्षेत्रों में जहां जंगल की आग अक्सर या तीव्र होती है वहां ब्लैक कार्बन उत्सर्जन अधिक होता है। चूंकि हरी वनस्पति ज्यादा कार्बन धारण करती है इसलिए जब वह जलती है तो उस कार्बन को वातावरण में उत्सर्जित कर देती है। इन उत्सर्जनों का वायु गुणवत्ता और जलवायु पर स्थानीय और वैश्विक दोनों प्रभाव पड़ते हैं। यह अधजला कार्बन ही ब्लैक कार्बन होता है। ब्लैक कार्बन मुख्य रूप से कार्बन-आधारित ईंधन और बायोमास के अधूरे दहन से उत्पन्न होता है। वाडिया इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष 2016 में गंगोत्री ग्लेशियर के पास चीड़बासा स्टेशन में किए गए एक अध्ययन में इस क्षेत्र में वानाग्नि के कारण ब्लैक कार्बन (बीसी) की अधिकता की पुष्टि की गई है। ब्लैक कार्बन उत्सर्जन वृद्धि में डीजल और पेट्रोल चालित वाहनों का भी काफी योगदान माना गया है। विशेष रूप से पुराने डीजल इंजन, ब्लैक कार्बन उत्सर्जन के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इसमें ट्रक, बस, कार और ट्रेन शामिल हैं। वाडिया इंस्टीट्यूट के डॉ.पी.एस. नेगी के नेतृत्व में किए गए इस अनुसंधान को वैज्ञानिक पत्रिका एटमॉस्फेरिक एनवायरनमेंट में प्रकाशित किया गया था। चूंकि अब गर्मियों में उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा के साथ ही हिमालयी धर्मस्थलों पर भीड़ भी बढ़ने वाली है। पिछले साल अकेले उत्तराखण्ड के चार धामों में लगभग 6 लाख वाहन पहुंचे थे। लॉरेंस बर्कले नेशनल लेबोरेटरी के वैज्ञानिक सुरबी मेनन और उनके सहयोगियों ने पाया कि ग्लेशियरों पर बर्फ और बर्फ के आवरण में गिरावट के लिए भारत से वायुजनित ब्लैक कार्बन एरोसोल एक प्रमुख योगदानकर्ता है। बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन और बायोमास को जलाने के परिणामस्वरूप उत्सर्जित होने वाले ब्लैक कार्बन का वास्तविक योगदान 30 प्रतिशत से भी अधिक माना जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जंगलों की यह आग वातावरण में पर्याप्त मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों और सूक्ष्म कणों का उत्सर्जन कर रही है। वनाग्नि के कारण ब्लैक कार्बन जैसे तत्व झाड़ियों, घास के मैदानों और जंगलों से उत्सर्जित हो कर वातावरण में फैल जाते हैं। जैसे ही वनस्पति जलती है, उनके भीतर जमा कार्बन उत्सर्जित हो जाता है। यही मुख्य कारण है कि बड़े पैमाने पर जंगल की आग वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) छोड़ती है और इसलिए, जलवायु परिवर्तन की दर को काफी हद तक बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है। ब्लैक कार्बन एक जलवायु को सीधे प्रभावित करता है। यह सूर्य के प्रकाश को अवशोषित कर वातावरण को गर्म करता है, जिसका ग्लोबल वार्मिंग में सीधा योगदान होता है। इसके अतिरिक्त, जब ब्लैक कार्बन बर्फ पर जम जाता है तो यह उनकी अल्बेडो (परावर्तनशीलता) को कम कर देता है, जिससे वे अधिक सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करते हैं और तेजी से पिघल जाते हैं, जो समुद्र के स्तर में वृद्धि और अन्य जलवायु प्रभावों में योगदान कर सकता है। हिमालय पर इस भीषण वनाग्नि कांड से बड़े पैमाने पर ब्लैक कार्बन और अन्य गैसें उत्सर्जित हो रही हैं जिससे एरासोल का सन्तुलन भी गड़बड़ा रहा है, जिसका सीधा असर लोकल और ग्लोबल वार्मिंग के साथ ही हिमालयी ग्लेशियरों पर पड़ रहा है जो कि तेजी से पीछे खिसक रहे हैं। ग्लेशियरों पर ब्लैक कार्बन जमने की वजह से बर्फ की सौर किरणों को परावर्तित करने की क्षमता कम हो रही है और ग्लेशियरों की सतह पर जमे ब्लैक कार्बन सौर विकिरण को अवशोषित करते हैं, जिसकी वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघलते हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार गर्मियों के दौरान इस क्षेत्र में ब्लैक कार्बन की मात्रा 400 गुना बढ़ जाती है। अध्ययन में बताया गया है कि ब्लैक कार्बन की मात्रा में इस मौसमी वृद्धि के पीछे का कारण जंगल की आग और कृषि अवशेष जलाना है। इस ब्लैक कार्बन की प्रकाश-अवशोषित प्रकृति के कारण मौसम चक्र प्रभावित हो रहा है। ब्लैक कार्बन मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए खतरनाक हो सकता है। ब्लैक कार्बन कणों के सांस लेने से श्वसन और हृदय संबंधी समस्याएं होती हैं। ये कण इतने छोटे होते हैं कि फेफड़ों में गहराई तक प्रवेश कर जाते हैं और यहां तक कि रक्तप्रवाह में भी प्रवेश कर जाते हैं, जिससे सूजन होती है और अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और हृदय रोग जैसी स्थितियां बिगड़ जाती हैं।

सई परांजपे– प्रमुख महिला स्क्रिप्ट राइटर

स्क्रिप्ट राइटर, निर्देशक, अभिनेता सई परांजपे के भीतर रूस और भारत का साझा रक्त है। उनका जन्म 19 मार्च 1938 को हुआ था। उनके पिता रूसी थे और मां महाराष्ट्र से ताल्लुक रखती थीं। फिल्म 'चश्मे बद्दूर' (1981) का लेखन तथा निर्देशन सई परांजपे ने किया था। नए सिने-दर्शक/सिने-प्रेमी भले ही सई परांजपे के नाम से परिचित न हों, मगर वे सिने-संसार में एक बड़ा नाम हैं। आपने 'स्पर्श', 'चश्मे बद्दूर', 'कथा' जैसी फिल्में अवश्य देखी होंगी, कम-से-कम इनके नाम अवश्य सुने होंगे। सिने-संसार सई परांजपे को सफल सिने-निर्देशक के रूप में जानता-पहचानता आया है। एक ओर वे लोकप्रिय सिनेमा का हिस्सा रही हैं, इसके साथ समीक्षक भी सदा से उनके प्रशंसक रहे हैं। मगर इसके साथ उन्होंने स्क्रिप्ट राइटिंग भी की है। आज उनके इसी रूप की चर्चा करती हूं। स्क्रिप्ट राइटर, निर्देशक, अभिनेता सई परांजपे के भीतर रूस और भारत का साझा रक्त है। उनका जन्म 19 मार्च 1938 को हुआ था। उनके पिता रूसी थे और मां महाराष्ट्र से ताल्लुक रखती थीं। पिता चित्रकार थे और मां शकुंतला मराठी अभिनेत्री। उनके नाना ऑस्ट्रेलिया में भारत के राजदूत थे और उन्हें सर की उपाधि प्राप्त थी। माता-पिता के विवाह-विच्छेद के बाद वे नाना आर. पी. परांजपे के यहां पली-बढ़ीं। उनकी मां इंग्लैंड में पढ़ी थीं। कई देशों में शिक्षा प्राप्त सई की आठ वर्ष की उम्र में पहली किताब (मराठी भाषा में) प्रकाशित हुई थी और बाद में कॉलेज में उन्हें अभिनय के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से प्रशिक्षण लिया था। फिल्म बनाने के पूर्व वे नाटक तथा प्रोग्राम लिख रही थीं। उन्होंने मंच अभिनेता अरुण जोगलेकर से शादी की, पर शादी चली नहीं। पर दोनों मित्र बने रहे, एक-दूसरे के लिए, एक-दूसरे के साथ काम करते रहे। दोनों के बच्चे कला से जुड़े हैं। उनका बेटा गौतम मराठी सिने-निर्देशक है तथा बेटी विनी जोगलेकर परांजपे अभिनेत्री है।समय-समय पर ऑल इंडिया रेडियो, दूरदर्शन तथा चिल्ड्रेन फिल्म सोसायटी से जुड़ी सई परांजपे ने मराठी, हिन्दी तथा इंग्लिश तीनों भाषाओं में बच्चों एवं वयस्कों के लिए लिखा। उन्होंने 21 फिल्मों का निर्देशन किया और पांच फिल्मों का स्क्रीनप्ले लिखा। उन्हें दो फिल्मफेयर अवॉर्ड ('स्पर्श') तथा एक नेशनल फिल्म अवॉर्ड ('कथा') प्राप्त हुआ।फिल्म 'चश्मे बद्दूर' (1981) का लेखन तथा निर्देशन सई परांजपे ने किया था। दर्शकों ने इस ढ़ाई घंटे की मजेदार कॉमेडी फिल्म का भरपूर आनंद उठाया, आज भी आप इसका मजा ले सकते हैं। इस तीन बेरोजगार मस्त नौजवानों की कहानी में ओमी (राकेश बेदी) और जय (रवि बासवानी) मस्त पर आलसी हैं जबकि तीसरा सिद्धार्थ पराशर पढ़ाकू और शर्मीला है। मजा तब आता है, जब यही चुपचाप रहने वाला नेहा राजन (दीप्ति नवल) का दिल जीत लेता है। इन दोनों की दोस्ती बाकी दोनों की जिंदगी में खलबली पैदा कर देती है। पर अभिनय में इन सबसे बाजी मार ले जाते हैं, पनवाड़ी ललन मियां बने सईद जाफरी। संवाद और मनोरंजक दृश्य सई परांजपे की लेखन की विशेषता है। यहां आप मजे लेकर इसे देख सकते हैं।इस पुरस्कृत फिल्म में नसीर यानी अनिरुद्ध परमार है तो अंधा, परंतु वह इस क्षीणता को खुद पर कभी हावी नहीं होने देना चाहता है। उसका अहं बहुत आहत होता है, यदि कोई उसकी न्यूनता को देखते हुए उसकी सहायत करना चाहता है। वह नेत्रहीन लोगों के एक स्कूल का प्रिंसपल भी है। लेकिन एक दिन उसकी मुलाकात कविता (शबाना आजमी) से होती है, दोनों एक-दूसरे के प्रति आकर्षित होते हैं, मगर यह सरल न था। जब शादी की बात आती है तो अनिरुद्ध के मन में संशय होता है, कहीं कविता उस पर दया और सहानुभूति तो नहीं लादेगी। कहीं उसे सरपरस्ती तो नहीं देने लगेगी, सरपरस्ती जिससे उसे नफरत है। पूरी कहानी की मर्मस्पर्शिता आपको फिल्म देख कर स्वयं अनुभव करनी होगी। सई ने पुरस्कार पाए नसीर तथा शबाना को फिल्मफेयर का सर्वोत्तम अभिनय का नामांकन मिला।1992 में सई परांजपे ने सवा दो घंटे की म्युजिकल ड्रामा कॉमेडी फिल्म 'दिशा' के संवाद और कहानी लिखी और उसे निर्देशित भी किया। यहां भुखरी में परसाराम (ओम पुरी) है, जो बारह साल से एक कुंआ खोदते हुए 'पगला परसा' का खिताब पा गया है। उसकी पतने हंसा (शबाना आजमी) बीड़ी फैक्टरी में काम करती है। उनके चार बच्चे हैं, जिनके नाम सुन कर आप मुस्कुरा उठेंगे। बच्चों के नाम हैं, शर्मीला, जीतेंद्र, अमिताभ तथा कद्दु। परसा का एक भाई है, सोमा सरपत (रघुवीर यादव) जिसे कभीकदा खेतों में काम मिल जाता है। उनका पड़ोसी युवा, हाल में विवाहित वसंत (नाना पाटेकर) है। वसंत की पतने फूलवती (राजश्री सावंत) और बीमार पिता दशरथ (नीलू फुले) है। बेटे की शादी के लिए पिता ने 10,000 रुपए का कर्ज लिया हुआ है। काम की खोज में पहले सोमा बंबई जाता है फिर आय के लालच में वसंत वहां जाता है।

माओवादियों के अंत की तैयारी, 25 से अधिक मूलभूत सरकारी सुविधाएं; अब दूरी बनाने लगे हैं ग्रामीण

माओवादियों के खिलाफ हाल के दिनों में केंद्र को जो ऐतिहासिक कामयाबी मिली है, वह नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई को मुकाम तक पहुंचाएगी।हाल ही में छत्तीसगढ़ के जंगलों में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में हैरतअंगेज दृश्य सामने आया। कांकेर जिले में जबर्दस्त गोलीबारी में कुल 29 माओवादी मारे गए, जिनमें उनका सबसे बड़ा नेता 25 लाख रुपये का इनामी शंकर राव भी शामिल था। इस मुठभेड़ में माओवादी आधुनिक हथियारों जैसे, असॉल्ट राइफलों तथा ग्रेनेड लॉन्चरों से लैस थे। फिर भी सुरक्षा बलों ने बेहद आक्रामक ढंग से मुकाबला करते हुए उनका खात्मा किया। छत्तीसगढ़, झारखंड के जंगलों के बड़े हिस्से में एक तरह से माओवादियों का राज था और वहां उनसे लड़ना आसान नहीं था। जिन लोगों ने छत्तीसगढ़ के घने और विस्तृत जंगल नहीं देखे हैं, उन्हें यह बताना जरूरी है कि वहां माओवादियों की चप्पे-चप्पे पर नजर रहती है और उनके कैडर हर जगह पहुंचे रहते हैं। उन्हें हथियारों का भी बेहतर प्रशिक्षण दिया जाता है और घात लगाकर हमला करने में उन्हें महारत हासिल है। पिछले कुछ वर्षों से केंद्र सरकार ने माओवादियों पर लगाम कसनी शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने इनसे निपटने के लिए सुरक्षा बलों को न केवल आधुनिकतम हथियार देना शुरू किया है, बल्कि अन्य संसाधन भी। माओवादियों से निपटने में सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि राज्य सरकारें पर्याप्त मदद नहीं करतीं। उन्हें लगता है कि ऐसी मुठभेड़ों से आम जनता भी चपेट में आ जाएगी, जो पूरी तरह से गलत भी नहीं है। लेकिन अब स्थिति बदलने लगी है और नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण पर ध्यान दिया जाने लगा है। इससे सरकार के प्रति जनता में अब कटता का भाव नहीं रहा है। उनकी सहानुभूति अब माओवादियों के साथ न होकर सुरक्षा बलों के साथ है। ताजा मामले में, गृह मंत्रालय ने इन उग्रवादियों की गतिविधियों पर अपने स्रोतों से नजर रखी और जब सूचना बिल्कुल पक्की हो गई, तो राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर बीनागुंडा और आसपास के इलाकों में ऑपरेशन चलाया। दिन में चलाए गए इस ऑपरेशन का लाभ यह हुआ कि सुरक्षा बलों को सभी कुछ साफ दिख रहा था और वे उन पर हावी हो गये। और बड़ी संख्या में माओवादियों को जान से हाथ धोना पड़ा। सुरक्षा बलों की आक्रामकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक चार महीने में लगभग 80 माओवादी मारे गए हैं और 125 से अधिक गिरफ्तार हुए हैं तथा 150 से अधिक ने आत्मसमर्पण किया है। यह केंद्र तथा राज्य सरकार के बीच सामंजस्य से संभव हुआ है। गृह मंत्रालय इस मामले में दृढ़ संकल्पित है कि माओवादियों से सख्ती से निपटना है, लेकिन बातचीत के रास्ते खुले हुए हैं। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 2019 के बाद से 250 से भी ज्यादा सुरक्षा शिविर स्थापित किए गए हैं। इन माओवादियों के कारण राज्य का विकास रुक रहा है और जन जीवन प्रभावित हो रहा है। बस्तर जिले के सीधे-सादे आदिवासियों को डराकर ये माओवादी उनके बच्चों तक को अपने साथ ले जाते हैं और उन्हें कम उम्र से ही हथियारों की ट्रेनिंग देते हैं। साठ के दशक के उत्तरार्ध में बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से नक्सलवाद आंदोलन की शुरुआत हुई, जहां माओवादियों ने भूमिहीन किसानों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर सशस्त्र आंदोलन किया, जिसका वहां की सरकार भी ठीक से जवाब नहीं दे पाई। इसी आंदोलन की तर्ज पर कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिन) ने छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, ओडिशा आदि में हिंसक आंदोलन किया। बंगाल के आंदोलन के विपरीत यहां सिद्धांतों की लड़ाई नहीं थी, बल्कि अपना वर्चस्व स्थापित करने की जिद है। इन माओवादियों के कैडर पैसे की वसूली करते हैं। खनन कार्य में लगी कंपनियों से मोटी रकम वसूली जा रही है। लेकिन अब समय बदलने लगा है और केंद्र सरकार माओवादियों से निपटने के लिए कमर कस चुकी है। छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्र के साथ मिलकर नक्सल प्रभावित जिलों के लिए नई योजनाएं भी बनाई हैं। इसके तहत उन्हें 25 से अधिक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीणों को आवास उपलब्ध कराने की बड़ी योजना पर काम हो रहा है। इस तरह के कल्याणकारी कार्यों से ग्रामीण माओवादियों से दूरी बनाने लगे हैं। हालांकि इस तरह के प्रयासों के कार्यान्वयन में वक्त लगेगा, लेकिन इस दिशा में यह एक बड़ी पहल है।

संक्षिप्त समाचार

कुमारस्वामी ने प्रज्ज्वल के साथ साथ एसआईटी पर भी उठाये सवाल, महिला आयोग के बारे में कही ये बात

'(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बेंगलुरु। जेडी (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने दावा किया है कि उनके भतीजे और लोकसभा चुनाव के उम्मीदवार प्रज्ज्वल रेवनन द्वारा कथित तौर पर महिलाओं के साथ यौन दुर्व्यवहार के वीडियो वाले 25,000 पेन ड्राइव चुनाव से पहले वितरित किए गए थे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार पर साजिश रचने का आरोप लगाया। विधायक एचडी रेवनन और उनके बेटे और हासन से सांसद प्रज्ज्वल

पर अपने रसोइये से छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया गया है। एक अन्य मामले में रेवनन पर एक महिला के अपहरण का मामला दर्ज किया गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है जिसका प्रज्ज्वल ने कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया था। प्रज्ज्वल के खिलाफ भी दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रज्ज्वल के खिलाफ कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए 28 अप्रैल को कांग्रेस सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) पर भी बदनाम करने का आरोप लगाया। जेडी (एस) के दूसरे नंबर के नेता एचडी रेवनन पार्टी सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे हैं। एचडी रेवनन ने कहा, यह एक विशेष जांच दल नहीं है बल्कि ठसिद्धारमैया जांच दलठ और ठशिवकुमार जांच दल है। विधायक एचडी रेवनन और उनके बेटे और हासन से सांसद प्रज्ज्वल पर अपने रसोइये से छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया गया है। एक अन्य मामले में रेवनन पर एक महिला के अपहरण का मामला दर्ज किया गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसका प्रज्ज्वल ने कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया था। प्रज्ज्वल के खिलाफ भी दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने काली मिर्च स्प्रे को बताया 'खतरनाक हथियार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने 'सी कृष्णैया चेट्टी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड' के निदेशक सी. गणेश नारायण और उनकी पतने के खिलाफ एक आपराधिक मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया है। कंपनी के एक कर्मचारी ने दंपति पर मिर्च स्प्रे का उपयोग करने का आरोप लगाया है। साथ ही अन्य सुरक्षाकमिऱ्यों के साथ याचिकाकर्ताओं की संपत्ति में हस्तक्षेप करने का प्रयास करने का आरोप है कर्नाटक हाईकोर्ट ने सी कृष्णैया चेट्टी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सी. गणेश नारायण और उनकी पतने के खिलाफ एक आपराधिक मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया है। कंपनी के एक कर्मचारी ने दंपति पर मिर्च स्प्रे का उपयोग करने का आरोप लगाया है। साथ ही अन्य सुरक्षाकमिऱ्यों के साथ याचिकाकर्ताओं की संपत्ति में हस्तक्षेप करने का प्रयास करने का आरोप है। न्यूज पोर्टल के मुताबिक, जस्टिस एम नागाप्रसनन की सिंगल बेंच ने आरोपी दंपति की याचिका खारिज कर दी और कहा,दूसरी याचिकाकर्ता निजी बचाव के रूप में काली मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल नहीं कर सकती थी, क्योंकि प्रथम दृष्टया उसके जीवन को कोई आसनन खतरा या खतरा नहीं था। इसलिए, मौजूदा मामले में कम से कम जांच की आवश्यकता होगी। की रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता राजदीप दास कंपनी का कर्मचारी है। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से दावा किया गया कि 21-01-2023 को विनोद हयाग्रीव नामक व्यक्ति ने प्रथम याचिकाकर्ता के खिलाफ निषेधाज्ञा मुकदमा दायर किया, ताकि याचिकाकर्ता को किसी भी बदलाव, दीवारों, विभाजनों और संपत्ति पर अन्य तरह के निर्माण से रोका जा सके।

सस्टेनेबिलिटी के विकास पर भारत का सबसे बड़ा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। सस्टेनेबिलिटी यानि स्थायित्व का अर्थ है हमारी भावी पीढ़ियों की क्षमता के साथ समझौता किए बिना अपनी ज़रूरतों को पूरा करना। स्थायित्व के तीन 3 सिद्धान्त हैं, पर्यावरण स्थायित्व, सामाजिक स्थायित्व और आर्थिक स्थायित्व। ये सिद्धान्त हमें हमारी धरती एवं इसके निवासियों के लिए संतुलित एवं स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। इसके लिए शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर अग्रसर होना, महत्वाकांक्षा रखना, पूर्ण अर्थव्यवस्था को कवर करना, जलवायु प्रत्यास्थ विकास की ओर बढ़ाना ज़रूरी है। विनाशकारी परिणामों से बचने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी भविष्य को सुरक्षित करने कीदिशा में तुरंत कदम उठाने की आवश्यकता है। इंडियन एक्ज़हीबिशन सर्विसेज़ और ग्रीन सोसाइटी ऑफ इंडिया ने स्थायी विकास पर सबसे बड़े कार्यक्रम वर्ल्ड एन्वायरनमेन्ट एक्सपो 2024 का आयोजन किया, इसके साथ ही ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट एण्ड सेंटर में बायोफ्यूल एक्सपो 2024 और बायोडीग्रेडेबल एक्सपो 2024 भी आयोजित किए गए। वर्ल्ड एनवायरनमेन्ट एक्सपो- प्रदूषण

नियन्त्रण उपकरणों एवं तकनीकों, नवीकरणीय उर्जा, सोलन पैनल्स एवं सोलर उत्पादों, सफाई एवं सेनिटेशन उपकरणां, हरित इनोवेशन, उर्जा दक्षता उपकरणों एवं तकनीकों आदि पर 5वीं इंटरनेशनल प्रदर्शनी है। वर्ल्ड एनवायरनमेन्ट एक्सपो 2024 एक बी2बी बिज़नेस प्लेटफॉर्म है जो देश विशेश से पर्यावरणी टेकनेलॉजी एवं उपकरण निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं को एक मंच पर लाता है, उन्हें पर्यावरण संरक्षण टेकनेलॉजी, सेवाओं नवीकरणीय उर्जा, व्यर्थ प्रबन्धन, स्थायी निर्माण, नए इनोवेशन्स, उर्जा दक्षता और उद्योग जगत में विकास के रूझानों को दर्शाने तथा दुनिया भर में कारोबार के अवसरों का लाभ उठाने का मौका देता है। बायो फ्यूल एक्सपो 2024 बायोफ्यूल (बायोडीज़ल, एथेनॉल, मेथेनॉल, बायोगैस- बायो एलएनजी, बायो सीएनजी, बायोमास, गैस ईंधन जैसे हाइड्रोजन और सिंथेटिक गैस) पर आधारित एक इंटरनेशनल कारोबार प्रदर्शनी है जो इस क्षेत्र के उत्पादकों, निर्माताओं को एक ही मंच पर लेकर आती है। तीन दिवसीय प्रदर्शनी भारत में बायोफ्यूल उद्योग के विकास को बढ़ावा देगी, साथ ही बायोफ्यूल एवं बायोमास उद्योग के प्रतिभागियों को नेटवर्किंग एवं कारोबार के अवसर प्रदान करेगी। बायोडीग्रेडेबल एक्सपो 2024 भी बायोडीग्रेडेबल, कम्पोस्टेबल और सस्टेनेबल प्रोडक्ट्स, मशीनरी, कच्चे माल एवं संबंधित उद्योगों पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी है जहां इन उद्योगों के हितधारक एक ही मंच पर इकट्ठा होंगे तथा नेशनल-इंटरनेशनल स्तर पर कारोबार के अवसरों पर चर्चा करेंगे। स्थायित्व एवं जलवायु सेक्टर से तकरीबन 20,000 कारोबार सदन ग्रेटर नोएडा में वर्ल्ड एनवायरनमेन्ट एक्स्पो 2024 में हिस्सा लेने के लिए एकजुट हुए हैं, जहां उन्हें हरित कारोबार प्रथाओं के बारे में जानने के अवसर मिलेंगे। श्री स्वदेश कुमार, डायरेक्टर, इंडियन एक्ज़हीबिशन सर्विसेज़ के अनुसार "स्थायित्व के तीन पी सर्वविदित हैं। पी का अर्थ है पीपल, प्लेनेट और प्रोफिट (लोग, धरती और मुनाफा)। प्रदर्शनी का उद्देश्य कारोबारों को विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय गुणवत्ता का मंच प्रदान करना है जहां हमारे प्रदर्शकों को अपना कारोबार बढ़ाने, तकनीकों के विनिमय, नए प्रोडक्ट्स डिस्प्ले करने और साझेदारों के साथ जुड़ने का मौका मिलेगा।

चुनावी नतीजों पर रेटिंग एजेंसी ने दी प्रतिक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 4 जून को पूरी दुनिया की नजर भारत के चुनावी नतीजों पर थी। इलेक्शन के रिजल्ट के बाद रेटिंग एजेंसी फिच (इ्रूम्) ने प्रतिक्रिया दी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भाजपा अपना पूर्ण बहुमत खो रही है और सरकार बनाने के लिए सहयोगियों पर निर्भर है। ऐसे में नई सरकार के सामने कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। 4 जून को पूरी दुनिया की नजर भारत के चुनावी नतीजों पर थी। इलेक्शन के रिजल्ट के बाद रेटिंग एजेंसी फिच (इ्रूम्) ने प्रतिक्रिया दी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भाजपा अपना पूर्ण बहुमत खो रही है और सरकार बनाने के लिए सहयोगियों पर निर्भर है। ऐसे में नई सरकार के सामने कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ने 2014 के बाद पहली बार 543 सीटों वाली लोकसभा में 240 सीटें जीतकर अपना बहुमत खो दिया। वह अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (उँ) में छोटे दलों के साथ सरकार बनाने की योजना बना रहा है, जिसने अन्य 52 सीटें जीतीं, जिससे गठबंधन को 292 सीटों का बहुमत मिला। फिच ने चुनावी नतीजों को लेकर कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के अगली सरकार बनाने की संभावना है। जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए लौटाएगा। लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी (ˇढ्ढ) को कमजोर बहुमत के साथ जो सरकार के सुधार एजेंडे के अधिक महत्वाकांक्षी तत्वों के लिए चुनौतियां पैदा कर सकता है। रेटिंग फर्म ने कहा कि भाजपा स्पष्ट बहुमत से पीछे रह गई और उसे अपने गठबंधन सहयोगियों पर अधिक भरोसा करने की आवश्यकता होगी। ऐसे में नई सरकार के सामने भूमि और श्रम से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

लोकसभा चुनाव में मथुरा से जीत की हैट्रिक पर हेमा मालिनी का आया पहला रिएक्शन, मोदी जी के लिए कही ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ चुके हैं। इस बार का इलेक्शन बेहद दिलचस्प रहा। कई मोदी का खास जिक्र किया है। हेमा मालिनी ने अपनी जीत के लिए मथुरा वासियों का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही नरेंद्र मोदी का भी खास इस जीत के लिए चौबीसों घंटे काम किया। मैं आप सभी का जितना भी आभार व्यक्त करूं कम है। मैं आपके अथक प्रयासों के लिए दिल से आपका

कैंडिडेट्स को मुंह की खानी पड़ी, तो कुछ ने पहली बार में जीत दर्ज कर दी। वहीं, हेमा मालिनी ने हैट्रिक मारी। लोकसभा चुनाव में मथुरा से उन्होंने तीसरी बार अपनी जीत दर्ज की है। इस शानदार जीत के बाद अभिनेत्री का पहला रिएक्शन आया है। हेमा मालिनी ने लोकसभा चुनाव 2024 में मथुरा से तीसरी बार जीत दर्ज की है। अभिनेत्री लगातार तीसरी बार जीतने से बेहद खुश हैं। 3 जून को इलेक्शन का रिजल्ट आने के बाद उनका रिएक्शन आया है। सोशल मीडिया पर हेमा मालिनी ने स्पेशल नोट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने नरेंद्र जिक्र किया है। हेमा मालिनी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जीत की खुशी जाहिर करते हुए पोस्ट शेयर किया है। अभिनेत्री ने खुद की तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, ठमैं मथुरा के हर एक बृजवासी का आभार व्यक्त करती हूं, जिनकी वजह से मैं मेरे तीसरे कार्यकाल के लिए चुनी गई हूं। सभी बेहतरीन कार्यकर्ता जिन्होंने मेरे लिए अथक परिश्रम किया, दिन-रात मेहनत की, मुझे बड़े अंतर से जिताने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और सब कुछ भूल गए।ठ उन्होंने आगे कहा, ठमैं उन सभी विधायकों का भी आभार व्यक्त करती हूं। जिन्होंने शुक्रिया अदा करती हूं। सबसे बढ़कर, मैं इस अवसर पर मोदी जी को मुझ पर विश्वास करने और मुझे मथुरा से तीसरे कार्यकाल के लिए खड़ा करने के लिए कहने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। जय हिंद जय भारत हेमा मालिनी की जाति पर उनकी बेटी एशा देओल ने भी खुशा जाहिर की। 3 जून को रिजल्ट आने के बाद उन्होंने मां की जीत का जशन मनाया और सोशल मीडिया के जरिए उन्हें बधाई दी। एशा देओल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर हेमा मालिनी की एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, बधाई हो मां।

जब जेल में बंद संजय दत्त के सामने मजबूर होकर बिलख पड़े थे सुनील दत्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुनील दत्त हिंदी सिनेमा के एक ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने सिर्फ अपनी एक्टिंग का दम ही नहीं को उन्होंने कैंसर की वजह से खो दिया, तो वहीं संजय दत्त के ड्रग्स की लत और उनके जेल जाने की वजह से भी सुनील दत्त को काफी

दिखाया, बल्कि जब राजनीति में आए तो वहां पर भी मजबूती से अपने कदम जमा लिए। 1984 में सुनील दत्त ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की और सांसद बने। एक अच्छे अभिनेता होने के साथ-साथ एक बेहतरीन पिता-पति और राजनेता भी थे। उनकी प्रोफेशनल लाइफ में जहां उन्हें काफी सफलता मिली तो वहीं निजी जिंदगी में सुनील दत्त को बेटे संजय दत्त की वजह से काफी मुश्किल समय देखना पड़ा। जब संजय दत्त 1993 बम ब्लास्ट में अवैध हथियार रखने के मामले में जेल में थे उस दौरान तो सुनील दत्त ने उसे माफी तक मांगी थी। हालांकि, उनकी प्रोफेशनल लाइफ जितनी स्मूथ रही, पर्सनल लाइफ में उन्हें उतने ही उतार-चढ़ाव देखने पड़े। अपनी पतने नर्गिस दत्त मुसीबतों का सामना करना पड़ा। 6 जून 1929 को पाकिस्तान में जन्मे सुनील दत्त की आज 95वीं बर्थ एनिवर्सरी पर हम आपको उनसे और संजय दत्त से जुड़ा एक ऐसा किस्सा बताने जा रहे हैं, जब 'मदर इंडिया' अभिनेता इतने मजबूर हो गए थे कि वह बेटे को के सामने रो पड़े थे। संजय दत्त ने 9 साल की उम्र में स्मोकिंग करना शुरू कर दिया था। दिग्गज अभिनेता सुनील दत्त की परेशानियां तब बढ़ी, जब रॉकी एक्टर को ड्रग्स की लत लगी और नरगिस दत्त के निधन के बाद उनकी ये लत और बढ़ गयी। दत्त परिवार की जिंदगी में मुश्किलें तब और ज्यादा बढ़ गयी जब 1993 बम ब्लास्ट में अवैध हथियार रखने की वजह से संजय दत्त को जेल जाना पड़ा।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर आलिया भट्ट ने की नई घोषणा, एडवेंचर्स से होगा भरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने साल 1972 में स्टॉकहोम आ रहे हैं । इस बीच एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने भी एक वीडियो शेयर किया है । आमजन से लेकर बॉलीवुड स्टार्स भी सोशल मीडिया खुलासा नहीं हुआ है और कैप्शन में लिखा, दो नए दोस्त और अंतहीन, एडवेंचर्स बने रहें। साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस की

कॉन्फ्रेंस के दौरान इसे घोषित किया था। तब से ये दिवस हर साल मनाया जा रहा है। इस दिन लोगों को धरती पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने और डिफॉरेस्टेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाता है। 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है । इसकी घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा ने साल 1972 में की थी। आमजन से लेकर बॉलीवुड स्टार्स भी सोशल मीडिया पर लोगों को जागरूक करते नजर पर लोगों को जागरूक करते नजर आ रहे हैं और फैंस को विश्व पर्यावरण दिवस 2024 पर खास बधाई भी दे रहे हैं। इस बीच एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने भी इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो साझा किया है। विश्व पर्यावरण दिवस 2024 पर आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के साथ एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि वह कुछ नया लेकर आ रही हैं, लेकिन क्या अभी इसका शुभकामनाएं। मलाइका अरोड़ा ने भी विश्व पर्यावरण दिवस 2024 के मौके पर एक अपनी खूबसूरत फोटो शेयर की है, जिसमें वह हरे-भरे पेड़ों के बीच बैठी नजर आ रही हैं और लिखा है, आइए विश्व पर्यावरण दिवस मनाएं। एक्ट्रेस अनन्या पांडे नेविश्व पर्यावरण दिवस पर अपना आलिशान वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह घुड़सवारी करती नजर आ रही हैं।

इस गेम में प्रियंका चोपड़ा से जीतना है नामुमकिन पति निक जोनसे ने खुद किया था कबूल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा जोनस ने साल 2018 में

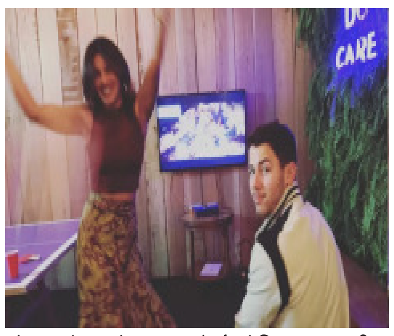

जोधपुर के 'उम्मेद भवन' में ग्रैंड वेडिंग की थी। ये शादी काफी समय तक चर्चा में रही थी। शादी के तीन साल बाद ये कपल प्यारी सी बेटी मालती के पेरेंट्स भी बना। सोशल मीडिया पर पीसी अकसर अपनी फैमिली के साथ फोटोज शेयर करती नजर आती हैं। निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा जोनस की जोड़ी दुनिया भर में मशहूर है। कहने को पीसी अपने पति से 10 साल का अंतर है लेकिन दोनों को एक साथ देखकर इनकी उम्र का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। सोशल मीडिया पर दोनों एक-दूजे पर जमकर प्यार लुटाते नजर आते हैं। साल 2018 में दोनों ने शादी की थी । भले ही दोनों के बीच उम्र का फासला हो, लेकिन ये कपल एक-दूसरे के साथ काफी अच्छा वक्त गुजारते हैं। अपनी उम्र के अंतर के बारे में बातचीत से लेकर एक-दूसरे की संस्कृतियों के साथ तालमेल बिठाने तक, निक और पीसी ने प्यार से इन सबका मुकाबला किया है, लेकिन एक चीज है जिसमें असल में प्रियंका जीत हुई है और निक जोनस उसमे बहुत बुरी तरह से हार गए थे। आए जाने वो क्या था। शादी से पहले निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा ने काफी समय तक डेटिंग की थी और साल 2018 में सात फेरे लिए। शादी के बाद पीसी अमेरिका शिफ्ट हो चुकी है। देसी गर्ल ने शादी से पहले निक जोनस के साथ एक गेम खेला था, जिसका नाम था 'मॉर्टल कोम्बैट' (र्श्दूत् ख्दर्र्सू), जिसमें पीसी ने उन्हें हरा दिया था। इस हार के बाद निक ने इंस्टाग्राम पर फोटोज भी शेयर की थी और लिखा था, ठउस समय की याद, जब उसने मॉर्टल कोम्बैट में मुझे हराया था। यह कहना सुरक्षित है कि वह थोड़ी प्रतिस्पर्धी है।बता दें, ये खेल साल 2018 में खेला गया था। निक जोनस ने शादी से पहले फोटोज शेयर की थी, जिसमें पीसी अपनी जीत पर खुशी से झूमने लगी थी। हालांकि, फोटो में निक थोड़े उदास नजर आ रहे हैं।

तहजीब से पेश जब सलमान खान के सामने कंगना रनौत ने दिखाया था दबंग अंदाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड की तरह कंगना रनौत ने राजनीति में अपना दमखम दिखा दिया है। लोकसभा चुनाव मीडिया पर कंगना का एक थ्रोबैक वीडियो सामने आया है जिसमें सलमान खान के साथ नजर आ रही हैं। इस बीच सोशल मीडिया

2024 में उन्होंने हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सी से भारी बहुमत से जीत हासिल कर ली है। इसको लेकर फिलहाल कंगना के नाम पर काफी चर्चा हो रही है और उनसे जुड़े अन्य तथ्यों का टटोला जा रहा है। बॉलीवुड अदाकारा कंगना रनौत इस वक्त लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से जीत का परचम लहराने को लेकर वह सुखियां बटोर रही हैं। इस बीच सोशल पर कंगना रनौत का एक थ्रोबैक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह सुपरस्टार सलमान खान के साथ दिखाई दे रही हैं। सिर्फ इतना ही नहीं वह सलमान को तहजीब का पाठ भी पढ़ा रही हैं। आइए एक नजर उनके इस वीडियो पर डालते हैं। बॉलीवुड की पंगा गर्ल के नाम से कंगना रनौत को काफी जाना जाता है। अपने बेबाक अंदाज के दम पर कंगना अतीत में कई बार सुखियां बटोर चुकी हैं। इस बीच धाकड़ फिल्म एक्ट्रेस का एक थ्रोबैक वीडियो सामने आया है, जिसे सलमान खान फैन पेज ने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। ये वीडियो सलमान के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 7 के दौरान का है, जब कंगना ने इस शो में बतौर गेस्ट एंट्री ली थी। वीडियो में आप देख सकते हैं कि सलमान खान काफी गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत करते हैं और उनसे शिकायत करते हैं- आप बहुत बिजी रहती हैं, जो दोस्तों के लिए आपके पास टाइम नहीं रहता। इसके बाद कंगना रनौत जवाब देती हैं- ऐसा कुछ नहीं है, मुझे लगता है कि इनके साथ यहीं मुलाकत करनी चाहिए क्योंकि ये यहां पर बहुत तहजीब से पेश आ रहे हैं। इनका ये रूप मैंने कभी नहीं देखा तो आगे से सारी मीटिंग इसी मंच पर इनके साथ करनी चाहिए। हालांकि ये सब बातें कंगना ने मजाकिया तौर पर सलमान खान से की हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री में बहुत कम लोग ऐसे हैं, जिनके साथ कंगना रनौत की पटरी खाती है। सलमान खान वो सुपरस्टार हैं, जो कंगना की फ्रेंड्स लिस्ट में शामिल हैं। कई बार देखा गया है कि सलमान उन्हें बिग बॉस के शो में बतौर बुला चुके हैं।

रिलीज डेट को लेकर 'मिर्जापुर 3' ने बढ़ाई उलझन, 'जेपी यादव' के वीडियो पर फैंस का ठनका माथा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमेजन प्राइम की क्राइम ड्रामा वेब सीरीज मिर्जापुर 3 की राह फैंस लंबे वक्त से देख रहे प्रीमियर की उम्मीद कर रहे थे। अब वो निराश हो गए हैं क्योंकि हाल ही में नई रिलीज डेट की ओर मेकर्स ने इशारा किया।

मिर्जापुर 3 के लेकर पहले रिलीज डेट जून 2024 को बताया गया था। ऐसे में फैंस भी राह देख रहे थे, लेकिन नया टीजर देख उनका माथा ठनक गया है। मिर्जापुर 3 के फैंस शुरू में इस महीने नए सीजन के प्रीमियर की उम्मीद कर रहे थे। अब वो निराश हो गए हैं। हैं। हालांकि, अब तक रिलीज डेट को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। मेकर्स ने हाल ही में मिर्जापुर 3 का नया टीजर रिलीज किया, जिसमें सीरीज की नई रिलीज डेट बताई, लेकिन इसने दर्शकों को उलझन में डाल दिया। मिर्जापुर 3 के लेकर पहले रिलीज डेट जून 2024 को बताया गया था। ऐसे में फैंस भी राह देख रहे थे लेकिन नया टीजर देख उनका माथा ठनक गया है। मिर्जापुर 3 के फैंस शुरू में इस महीने नए सीजन के मिर्जापुर 3 को लेकर हाल ही में कुछ सेकेंड का एक वीडियो जारी किया गया, जिसमें सीरीज के पॉपुलर कैरेक्टर जेपी यादव यानी प्रमोद पाठक नजर आए। मिर्जापुर 3 के इस प्रमोशनल वीडियो में एक्टर आम खाते हुए दिखाई दिए और उन्होंने सीरीज की रिलीज डेट को लेकर कहा कि ये 22 अगस्त को आ रही है, लेकिन अंत में उन्होंने कहा कि ये एक नेता का वादा है, जिसने फैंस को कन्फ्यूज कर दिया है, क्योंकि नेता के वादे पर यकीन करना मुश्किल है।

फुटबॉल कोच बनकर ओटीटी पर हाजिर हुए अजय देवगन, जानें किस प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं 'मैदान'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के जाने माने एक्टर अजय देवगन पिछले कुछ समय में अपनी फिल्मों के कारण चर्चा में बने हैं। रोमांटिक हीरो से का कैरेक्टर प्ले किया है। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर भले ही कुछ खास रिस्पांस न मिला हो, लेकिन अगर आप अजय देवगन और स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्मों के फैन हैं, तो

हटकर उन्होंने अपना रुख उन फिल्मों की तरफ भी किया है, जिसमें ड्रामा या कॉमेडी हो और वो फिल्में परिवार के साथ देखने लायक भी हों। इस साल ईद के मौके पर रिलीज मैदान फिल्म रिलीज हुई थी जिसमें अजय देवगन फुटबॉल कोच बने नजर आए। उनकी एक्टिंग ने बड़े पर्दे पर खूब तारीफें बटोरीं। अगर आप मैदान फिल्म थिएटर में देखने से चूक गए तो ओटीटी पर इस मूवी को देखने का सुनहरा मौका है। मैदान फिल्म ने ओटीटी वर्ल्ड में दस्तक दे दी है। 10 अप्रैल को अजय देवगन की मूवी 'मैदान' रिलीज हुई थी। ये स्पोर्ट्स ड्रामा आधारित बायोपिक है, जिसमें अजय देवगन ने फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम ये मूवी जरूर देख सकते हैं। अमित रविंद्रनाथ शर्मा के डायरेक्शन में बनी फिल्म ' मैदान' 4 जून को रिलीज हो चुकी है। फिल्म को प्राइम वीडियो पर देखा जा सकता है। ये मूवी पहले फ्री में अवेलेबल नहीं है। यानी फिल्म को देखने के लिए आपको 349 रुपये खर्च करने होते। लेकिन अब इसे फ्री में स्ट्रीम किया जा सकता है। करीब 250 करोड़ के बजट में बनी फिल्म 'मैदान' ने टिकट विंडो पर कुछ खास कमाई नहीं की थी। जितनी फिल्म से लोगों को उम्मीदें थीं, उस अनुसार रिजल्ट नहीं आए थे। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, मैदान फिल्म का लाइफटाइम कलेक्शन 52.29 करोड़ है।

अनुषा डांडेकर और कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन हो सकती हैं बिग बॉस सीजन 3 का हिस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी का सीजन 3 आने वाला है। अनाउंसमेंट के बाद से ही फैंस के बीच इसको लेकर काफी अप्रोच किया गया है। बिग बॉस सीजन 17 के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ये विवादित शो ऑनएयर होने के लिए तैयार है। बिग बॉस तक के एक पेज ने अपने इंस्टाग्राम पेज साथ 'फिलहाल' गाने में देखा गया था जिसके बाद से वो काफी ज्यादा पॉपुलर भी हो गई थीं। नूपुर वैसे भी एक बहुत अच्छी सिंगर हैं। साल 2023 में नूपुर सेनन टाइगर

एक्साइटमेंट है। इस बार सलमान खान की जगह अनिल कपूर शो को होस्ट करते नजर आएंगे और इसके प्रोमो ने हलचल मचा दी है। फैंस शो के कंटेस्टेंट को लेकर अनुमान लगा रहे हैं। फैंस इस विवादित शो के इंतजार में पलके बिछाए बैठे हैं। टीवी का सबसे विवादित शो बिग बॉस ओटीटी पर वापसी के लिए तैयार है। शो में सलमान खान की जगह अनिल कपूर होस्ट के तौर पर नजर आएंगे। अब धीरे-धीरे करके शो के कंटेस्टेंट्स से भी पर्दा हट रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन और वीजे अनुषा डांडेकर को इसके लिए पर ये जानकारी दी थी कि अरमान मलिक को उनकी पहली पतनी पायल मलिक के साथ बिग बॉस पर आने के लिए अप्रोच किया गया है। हालांकि,दोनों शो में हिस्सा लेंगे या नहीं,इस पर अब तक उनका कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अब ईटाइम की एक रिपोर्ट के अनुसार कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन और वीजे से एक्ट्रेस बनी अनुषा डांडेकर को भी बिग बॉस ओटटी के सीजन 3 पर आने के लिए अप्रोच किया गया है। नूपुर इस शो में नजर आएंगी या नहीं इस बारे में उनकी तरफ से कोई ऑफिशियल पुष्टि नहीं की गई है। नूपुर सेनन को अक्षय कुमार के नागेश्वर राव के साथ एक तेलुगु एक्शन फिल्म में नजर आई थीं। इसके अलावा वो पॉप कौन नाम की एक टेलीविजन सीरीज का भी हिस्सा रह चुकी हैं। इसके अलावा अनुषा डांडेकर को भी इसका हिस्सा बनने के लिए अप्रोच किया गया। अनुषा डांडेकर एक वीजे हैं और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनका काफी नाम है। अनुषा हाउस ऑफ स्टाइल, डांस क्रू, टीन डीवा और लव स्कूल जैसे शो होस्ट कर चुकी हैं। इसके अलावा अनुषा कई बॉलीवुड फिल्मों और वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं। अनुषा के बिग बॉस में शामिल होने की कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है।

जब इन 4 सुपरस्टार्स ने सिर्फ इस छोटी सी वजह से रिजेक्ट की थी 'बाजीगर' शाह रुख खान ने उठाया था रिस्क

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई बार ऐसा होता है, जहां एक ही फिल्म अलग-अलग एक्टर्स को अप्रोच किया जाता है। कई स्टार्स से होते हुए फिल्म आखिरकार उस 12 नवंबर 1993 में रिलीज हुई फिल्म 'बाजीगर' ने सिनेमाघरों में धमाका कर दिया था। शाह रुख खान के अपोजिट रिवेंज ड्रामा इस फिल्म में काजोल और शिल्पा शेट्टी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस

तक पहुंच ही जाती है, जिसकी किस्मत में लिखी होती है। कुछ ऐसा ही हुआ था शाह रुख खान के साथ। साल 1993 में रिलीज हुई ऱ्र्प्प्ि ल्प् र्खेह की फिल्म बाजीगर उनके करियर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक हैं। इस मूवी में किंग खान ने नेगेटिव भूमिका निभाई थी लेकिन आपको शायद ये नहीं पता होगा कि शाह रुख खान इस फिल्म के लिए अब्बास-मस्तान की पहली पसंद नहीं थे। उनसे पहले ये फिल्म चार और एक्टर्स को ऑफर हुई थी। उनसे पहले अब्बास-मस्तान के निर्देशन में बनी फिल्म 'बाजीगर' एक या दो एक्टर्स को नहीं, बल्कि चार बड़े सितारों को ऑफर हुई थी। हालांकि, उन सभी ने फिल्म को रिजेक्ट कर दिया था। फिल्म में अजय से लेकर 'मदन चोपड़ा' तक का किरदार काफी फेमस हुआ था, लेकिन शायद आपको ये नहीं पता होगा कि शाह रुख खान के पास तो ये किरदार बहुत ही लेट में आया है। उनसे पहले अब्बास मस्तान फिल्म की स्क्रिप्ट लेकर कई सितारों के पास गए थे। द सियासत डेली की रिपोर्ट्स के मुताबिक, किंग खान से पहले फिल्म जिन सितारों को ऑफर हुई थी, वह थे सलमान खान, अक्षय कुमार, अनिल कपूर और अरबाज खान। रिपोर्ट्स की मानें तो, अक्षय कुमार और सलमान खान सहित चारों स्टार्स ने इस फिल्म को सिर्फ इस वजह से रिजेक्ट कर दिया था, क्योंकि इसमें मुख्य हीरों का किरदार नेगेटिव था। फिल्म की कहानी जब डायरेक्टर शाह रुख खान के पास लेकर पहुंचे तो उन्होंने तुरंत ही फिल्म के लिए हामी भर दी और नेगेटिव भूमिका निभाने का रिस्क उठाया। खास बात ये है कि उन्हें इस किरदार में काफी पसंद भी किया गया। शाह रुख खान का इस फिल्म में एक डायलॉग था कि हार के जीतने वाले को बाजीगर कहते है, जो उनके करियर में भी एकदम फिट बैठता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।